mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-69 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

11 मार्च 2025 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

वनडे प्रारूप को...
@ पेज 7

सबरीमाला में अब 18 पवित्र सीढ़ियां चढ़ते ही दिखेंगे भगवान

सबरीमाला (एजेंसी)। केरल के सबरमाला मंदिर में भक्तों के दर्शन का रूट बदल दिया गया है। सबरीमाला के भक्त लंबे समय से रूट बदलने की मांग कर रहे थे। अब त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) ने

● 5 की जगह 25 सेकेंड तक दर्शन कर सकेंगे भक्त

सबरीमाला में %दर्शन% मार्ग को बदलने का फैसला किया है, जिससे भक्त सन्निधानम में 18 पवित्र सीढ़ियां चढ़ते समय सीधे दर्शन कर सकेंगे। टीडीबी के अध्यक्ष पी एस प्रशांत ने बताया कि यह परिवर्तन मासिक पूजा के दौरान 15 मार्च से ट्रायल के लिए लागू किया जाएगा और विशु पूजा के दौरान 12 दिनों तक जारी रहेगा। प्रशांत ने कहा, ÷यदि यह सफल साबित होता है, तो अगले मंडलम-मकरविलक्कू सीजन के दौरान इस परिवर्तन को स्थायी कर दिया जाएगा।÷ उन्होंने कहा कि बोर्ड को भक्तों से हजारों पत्रों सहित कई अनुरोध प्राप्त हुए हैं, जिसमें 18 पवित्र सीढ़ियों पर चढ़ने पर बेहतर दर्शन अनुभव की सुविधा के लिए मार्ग में संशोधन का आग्रह किया गया है।

प्रशांत ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, ÷फिलहाल, पवित्र सीढ़ियों पर चढ़ने वाले भक्तों को एक पुल पर ले जाया जाता है, जहां वे दर्शन के लिए दूसरी तरफ जाने से पहले लाइन में खड़े होकर इंतजार करते हैं। इस व्यवस्था के कारण उन्हें दर्शन के लिए मुश्किल से पांच सेकंड मिलते हैं और सबरीमाला आने वाले लाखों भक्तों में से लगभग 80 प्रतिशत को संतोषजनक अनुभव नहीं मिल पाता है।÷ मंदिर तंत्री से अनुमति प्राप्त करने और हितधारकों के साथ विस्तृत चर्चा करने के बाद यह निर्णय लिया गया। प्रशांत ने कहा, ÷नई व्यवस्था के साथ, प्रत्येक भक्त को दर्शन के लिए लगभग 20 से 25 सेकंड मिलेंगे।÷

मंदिर के विकास में अयप्पा भक्तों को शामिल करने के लिए, बोर्ड पंबा में एक वैश्विक अयप्पा भक्तों की बैठक भी आयोजित करेगा। प्रशांत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बोर्ड के पास सबरीमाला में विकास परियोजनाओं के लिए पर्याप्त धन की कमी है और यह बैठक भक्तों को उत्सुकता से योगदान करने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने कहा, ÷यह कोई बड़ी सभा नहीं होगी। हमें लगभग 150 प्रतिभागियों के आने की उम्मीद है। मई में जब मंदिर मासिक पूजा के लिए खुलेगा, तब इसे दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में आयोजित करने की योजना है।÷

प्रशांत ने घोषणा की कि तमिलनाडु के जीआरटी ज्वैलर्स और केरल के कल्याण ज्वैलर्स ने भगवान अयप्पा की छवि के साथ उत्कीर्ण सोने के पेंडेंट प्रदान करने के लिए निविदा जीती है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में अज्ञात हमलावरों का आतंक

पेशावर (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने दो पुलिस कर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी है। यह घटना प्रांतीय राजधानी पेशावर से करीब 65 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम स्थित कोहाट जिले के टांडा बांध के पास हुई है। पुलिस कर्मियों की हत्या करने के बाद अज्ञात बंदूकधारी मौके से फरार होने में कामयाब रहे। अधिकारियों ने बताया

कि आतंकवाद निरोधक विभाग के उप-निरीक्षक एक सिपाही के साथ यात्रा कर रहे थे तभी अज्ञात बंदूकधारियों ने टांडा बांध क्षेत्र में उन पर हमला कर दिया और इसमें दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि दोनों के शवों को पास के अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस की टीम ने घटना स्थल पर पहुंचकर पूरे क्षेत्र को घेर लिया है और हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान जारी है। हालांकि, इस हमले की जिम्मेदारी अब तक किसी समूह ने नहीं ली है। आम तौर पर आतंकवादी खुफिया एजेंसियों और उन विभागों से जुड़े अधिकारियों को निशाना बनाते हैं जो आतंकवादियों की गिरफ्तारी से संबंधित होते हैं। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस कर्मियों पर हमले का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी अज्ञात हमलावरों के हमलों में कई पुलिसकर्मी मारे गए या फिर घायल हुए हैं। हाल ही में पुलिस कर्मियों पर हमला डेरा इस्माइल खान जिले के दरबान कलां में हुआ था। हमले के बाद अज्ञात हमलावर भाग गए थे।

अमेरिका से सशर्त बातचीत के लिये तैयार ईरान

तेहरान (एजेंसी)। एक तरफ जहां मध्य पूर्व में जंग जैसे हालात बने हुए हैं तो वहीं ईरान ने इस मौके पर बड़ा बयान दे दिया है। ईरान की ओर से कहा गया है कि वह उस स्थिति में अमेरिका के साथ बातचीत पर विचार कर सकता है जब वार्ता उसके परमाणु कार्यक्रम के सैन्यीकरण की चिंताओं तक ही सीमित हो। संयुक्त राष्ट्र के लिए ईरान के मिशन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यदि वार्ता उसके परमाणु कार्यक्रम के सैन्यीकरण की चिंताओं तक ही सीमित है तो ऐसी चर्चाओं पर विचार किया जा सकता है।'' इससे एक दिन पहले ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामनेई ने अमेरिका के साथ वार्ता को अस्वीकार कर दिया था। खामनेई ने कहा था कि उसका उद्देश्य ईरान के मिसाइल कार्यक्रम पर रोक लगाना है। दरअसल, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही

में कहा था कि उन्होंने ईरान को एक पत्र भेजा है जिसमें उन्होंने तेहरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम पर लगाम लगाने तथा अपने पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिका को जिस परमाणु समझौते से अलग कर लिया था, उसके स्थान पर एक नया समझौता करने की बात की है। ट्रंप की बात के बाद खामनेई ने वार्ता से इनकार कर दिया था। खामनेई ने कहा कि अमेरिका की मांगें सेना से जुड़ी और ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव से संबंधित होंगी। उन्होंने कहा था कि ऐसी वार्ताओं से ईरान और पश्चिमी देश के बीच की समस्याओं का समाधान नहीं होगा। बता दें कि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ परमाणु शांति समझौता करने की पेशकश करते हुए चेतावनी भी दी थी। ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान नहीं मानता है, तो यह उसके लिए घातक साबित होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर भी किए थे और ट्रेजरी विभाग को निर्देश दिया गया था कि वह ईरान पर सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाए। एक इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया था कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना उनकी पहली प्राथमिकता है।

बीच सड़क पर आग का गोला बन गई बच्चों से भरी स्कूल बस

कौशांबी (एजेंसी)। यूपी के कौशांबी जिले में उस समय अफरा तफरी का माहौल हो गया जब बच्चों को स्कूल से घर छोड़ने जा रही बस में अचानक आग लग गई। धुंआ उठता देखा ड्राइवर ने तुरंत बस को रोक कंडक्टर और स्थानीय लोगो के साथ मिलकर बच्चों को सकुशल बाहर निकाल लिया। स्कूली बस में आग लगी देख स्थानीय लोगो ने कड़ी मशक्कत के बाद आग में काबू पाया। बस आग की लपटों से पूरी तरह जल गई है। वहीं ड्राइवर और कंडक्टर की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया। घटना मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के स्थानीय चौराहे की है। मंझनपुर कस्बे में संचालित एक निजी स्कूल (बीपी पब्लिक स्कूल) की बस छात्र और छात्राओं को लेकर स्कूल से घर लेकर जा रही थी। जैसे ही बस मंझनपुर चौराहे के पास पहुची तभी अचानक बस में आग लग गई। बस से धुआं उठता देखा बस में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। ड्राइवर ने तुरंत बस को रोक दिया और कंडक्टर के साथ सूझबूझ दिखाते हुए बस में सवार सभी 40 स्कूली बच्चों को सकुशल बाहर निकाला। स्कूली बस में आग लगने की घटना को देखकर मौके पर मौजूद लोगों ने बस से आग बुझाने का प्रयास किया। चौराहे पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने सूचना का फायर ब्रिग्रेड की टीम को दिया, लेकिन जब तक फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचती तब तक स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पा लिया। बस में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगने की आशंका जाहिर की जा रही है। ड्राइवर और कंडक्टर ने सूझबूझ का परिचय दिया और बस में सवार सभी 40 स्कूली बच्चे को सकुशल बाहर निकाल लिया अन्यथा एक बड़ी घटना घट सकती थी।

लोकसभा में बोले संस्कृति मंत्री

सरकार ने ताज महल में रिसाव की बात स्वीकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में सोमवार को सरकार ने इस बात को स्वीकार किया कि बारिश के दौरान ताजमहल में पानी के रिसाव की एक घटना सामने आई। इसके साथ ही सरकार ने आश्वासन दिया कि वह ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति संवेदनशील हैं। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रश्नकाल के दौरान एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी के पूरक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''जहां तक ताज महल के रखरखाव का विषय है तो यह बात सही है कि पानी के रिसाव की एक घटना सामने आई थी। लगातार बारिश के कारण जो स्थिति बनी, उसमें तुरंत सुधार किया गया है।''

भारत सरकार पूरी तरह संवेदनशील: केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत सरकार पूरी तरह संवेदनशील है और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, ''सरकार प्रतिबद्धता के

साथ विरासत का सम्मान करते हुए विकास के लिए काम कर रही है।'' मंत्री ने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि देश में मोदी सरकार से पहले चंद लोगों को 'पूजा पद्धति या वोट बैंक की ताकत के आधार पर' कुछ विशेषाधिकार मिलते थे जो समानता की श्रेणी में आने के बाद समाप्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार 'टीम इंडिया' के रूप में सबको साथ लेकर और सहकारी संघवाद के विचार के साथ काम करती है।

ओवैसी ने लगाया आरोप: वहीं ओवैसी ने पूरक प्रश्न पूछते हुए आरोप लगाया, ''पिछले 50 साल से एएसआई हिंदुत्व की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहा है।'' उन्होंने पूछा, ''एएसआई को 'डिटॉक्सिफाई' (विषमुक्त) करने के लिए सरकार क्या कदम उठाएगी। क्या सरकार सुनिश्चित करेगी कि एएसआई संविधान के धर्मनिरपेक्षता और बहुलवाद के सिद्धांत के साथ काम करे?'' अपने उत्तर में शेखावत ने कहा, ''50 साल के बारे में तो मैं टिप्पणी नहीं कर सकता, लेकिन पिछले 10 साल आठ महीने से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की विचारधारा के साथ साथ काम कर रही है।'' उन्होंने कहा, ''कुछ लोगों को पूजा पद्धति या वोट बैंक की ताकत के आधार पर कुछ विशेषाधिकार मिलते थे, लेकिन अब समानता की श्रेणी में आने की वजह से विशेषाधिकार समाप्त होने के बाद इस तरह का विचार शायद किसी के मन में आता होगा।''

एयर इंडिया की फ्लाइट में मिली बम की धमकी, वापस लौटा विमान

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से न्यूयॉर्क जा रहे एयर इंडिया के एक विमान को सोमवार सुबह बम की धमकी के बाद बीच उड़ान से ही वापस लौटना पड़ा। जरूरी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, विमान स्थानीय समयानुसार सुबह 10.25 बजे सुरक्षित रूप से लैंड किया। इससे यात्रियों के बीच हड़कंप का माहौल बन गया। एयर इंडिया ने कहा कि वर्तमान में सुरक्षा एजेंसियों द्वारा विमान की अनिवार्य जांच हो रही है और एयरलाइन अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। फ्लाइट को अगले दिन के लिए री-शेड्यूल किया गया है। एयर इंडिया ने अपने एक बयान में कहा, ÷विमान की सुरक्षा एजेंसियों द्वारा अनिवार्य जांच की जा रही है और एयर इंडिया अधिकारियों को अपना पूरा सहयोग दे रहा है। उड़ान को 11 मार्च 2025 को सुबह 5 बजे संचालित करने के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है और सभी यात्रियों को तब तक होटल में रहने, भोजन और अन्य सहायता की पेशकश की गई है।

तेजस्वी सूर्या ने शादी के रिसेप्शन में मेहमानों से ये 2 तोहफे ना लाने को कहा

रिसेप्शन से पहले किया वीडियो पोस्ट

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु दक्षिण सीट से लोकसभा सांसद एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या और कर्नाटक शास्त्रीय संगीत गायिका शिवश्री स्कंदप्रसाद गुरुवार को विवाह के बंधन में बंध गए। विवाह वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पारंपरिक तरीके से सम्पन्न हुआ। पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र, केंद्रीय मंत्री वी सोमन्ना और अर्जुनराम मेघवाल समेत भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ-साथ पार्टी के कई सांसद और विधायक भी समारोह में शामिल हुए। आला नेताओं ने तेजस्वी और शिवश्री को आशीर्वाद भी दिया।

शिवश्री ने बायो-इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन और चेन्नई संस्कृत कॉलेज से पोस्ट ग्रेजुएशन की उपाधि प्राप्त की है। वह एक भरतनाट्यम नृत्यांगना भी हैं। हाल में 34 वर्षीय सांसद तेजस्वी और शिवश्री आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के आश्रम में उनका आशीर्वाद लेते हुए देखे गए। 34 वर्षीय तेजस्वी सूर्या ने बाद में 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''गुरुओं, बुजुर्गों और शुभचिंतकों के आशीर्वाद से आज वैदिक परंपराओं के अनुसार शिवश्री से विवाह किया। हम इस यात्रा को एक साथ शुरू करने के

लिए आपका आशीर्वाद और शुभकामनाएं चाहते हैं।'' साथ ही उन्होंने एक अनुरोध संदेश के साथ कन्नड़ में एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने रिसेप्शन में आने वाले मेहमानों से उपहार के रूप में फूल, गुलदस्ते या सूखे मेवे न लाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 85 प्रतिशत शादी के फूल और गुलदस्ते कार्यक्रम के 24 घंटे के भीतर फेंक दिए जाते हैं और शादियों में हर साल 300,000 किलोग्राम सूखे मेवे बच जाते हैं। भाजपा सांसद ने कहा, ÷ऐसे गुलदस्तों और सूखे मेवों का संभावित दान मूल्य सालाना 315 करोड़ रुपये है।÷ उन्होंने मेहमानों से अनुरोध किया कि वे समारोह में फूल-मालाएं या सूखे मेवे न लाएं। वहीं, दक्षिण भारत पुष्पकृषि संघ ने भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या से फूलों के गुलदस्तों को ''राष्ट्रीय बर्बादी' बताने वाले अपने हालिया बयान को वापस लेने का आग्रह किया है।

तंबाकू और शराब के विज्ञापनों पर लगाएं रोक

स्वास्थ्य मंत्रालय ने आईपीएल अध्यक्ष को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल का 18वीं सीजन 22 मार्च से शुरू हो रहा है। इससे पहले आईपीएल के विज्ञापनों को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक पत्र लिखा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इंडियन प्रीमियर लीग को 22 मार्च से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के दौरान 'सरोगेट' विज्ञापनों सहित सभी प्रकार के तंबाकू और शराब के प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक अतुल गोयल ने आईपीएल अध्यक्ष अरुण धूमल को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने कहा कि क्रिकेट खिलाड़ी भारत के युवाओं के लिए आदर्श हैं। उन्हें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी प्रकार के तंबाकू या शराब के विज्ञापन से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक अतुल गोयल ने पत्र में लिखा, ''आईपीएल को सरोगेट विज्ञापनों सहित तंबाकू और शराब से जुड़े सभी प्रकार के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने वाले नियमों को सख्ती से लागू करना चाहिए। स्टेडियम के अंदर और राष्ट्रीय टेलीविजन पर प्रसारण के दौरान भी इस

तरह के विज्ञापन नहीं दिखाए जाने चाहिए। प्रतियोगिता के दौरान और खेल सुविधा में तंबाकू और शराब के उत्पादों की बिक्री नहीं होनी चाहिए।'' पत्र में आगे कहा गया है, ''उन खिलाड़ियों (कमेंटेटरों सहित) को हतोत्साहित करें जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शराब या तंबाकू से जुड़े उत्पादों का समर्थन करते हैं।'' बता दें कि आईपीएल के दौरान अधिकतर भारतीय क्रिकेट प्रेमी टेलीविजन पर इसका आनंद उठाते हैं। ऐसे में यह टूर्नामेंट विज्ञापनदाताओं का पसंदीदा बन जाता है। अतुल गोयल ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना क्रिकेटरों का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा, ''स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए क्रिकेट खिलाड़ी युवाओं के लिए रोल मॉडल हैं जबकि आईपीएल देश का सबसे बड़ा खेल मंच है।

महिला सशक्तिकरण बेहद अनिवार्य है: मल्लिका नड्डा

किसान ट्रस्ट ने आयोजित किया पहला 'अपराजिता सम्मान' समारोह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर किसान ट्रस्ट ने महिलाओं के सशक्तिकरण, प्रगति और प्रत्यास्थता का जश्न मनाने के लिए पहले अपराजिता सम्मान समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम उन महिलाओं के कल्याण और लिंग समानता के लिए ट्रस्ट की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। कार्यक्रम की शुरुआत स्पेशल ओलंपिक्स भारत की प्रेसीडेंट एंड एशिया पेसिफिक एडवाइजरी कार्उसिल की चेयरपर्सन और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की पत्नी डॉ. मल्लिका नड्डा के स्वागत से हुई। उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में शिरकत की और महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय, और ग्रामीण विकास की दिशा में ट्रस्ट द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला।

समारोह के दौरान मिस साहिरा सिंह के नेतृत्व में एक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें एसिड अटैक से उबरने वाली महिलाओं की बहादुरी को सराहा गया। इन महिलाओं ने शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक चुनौतियों के बावजूद अपने जीवन को नई दिशा दी है। किसान ट्रस्ट ने इन्हें आर्थिक सहायता प्रदान की और डॉ. मल्लिका नड्डा ने उन्हें चेक सौंपे।

डॉ. मल्लिका नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कहा कि प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए महिला सशक्तिकरण बेहद अनिवार्य है। उन्होंने महिलाओं के लिए एक समान अवसरों, वित्तीय समावेशन और नीतिगत बदलावों की बात कही। एक ऐसा माहौल बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया, जहां महिलाएं सही मायनों में विकसित हो सकें। उन्होंने कहा, ÷यह देखकर बेहद खुशी होती है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की महिलाएं इस तरह आगे बढ़कर आत्मनिर्भर भारत की भावना को साकार कर रही हैं। महिलाओं को परिवार, समाज और देश में अपनी भूमिका को समझना चाहिए।

सीधी में टैंकर-जीप की टक्कर, 9 की मौत

सीधी (एजेंसी)। सीधी में टैंकर और जीप की टक्कर में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक घायल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 12 घायलों में से 7 की हालत गंभीर है। हादसा कोतवाली थाना इलाके में हुआ। मृतकों में पांच महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। घायलों में 6 बच्चे भी हैं। गंभीर घायलों को रीवा मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है, बाकी को सीधी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीएसपी गायत्री तिवारी ने बताया- राजमणि साहू अपनी बेटी का मुंडन संस्कार कराने मैहर के झोखो जा रहे थे। उनके परिवार के साथ ससुराल पक्ष के लोग भी थे। टैंकर सीधी से बहरी की ओर जा रहा था। रात करीब ढाई बजे उपनी पेट्रोल पंप के पास दोनों वाहनों में आमने-सामने से टक्कर हो गई। मामले की जांच की जा रही है।

प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिये औद्योगिक इकाइयों को हर संभव मदद दी जायेगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने रविवार को धार जिले के पीथमपुर में मान ग्रुप की मान इंडस्ट्री का उद्घाटन किया। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि राज्य सरकार ने हर कदम पर औद्योगिक कम्पनियों को उद्योग लगाने और निवेश करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में निवेश को बढ़ाने के लिये उद्योग संवर्धन नीति में बदलाव किये हैं। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मान कम्पनी के नई यूनिट के उद्घाटन से युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में लगातार औद्योगिक विकास हो रहा है। मान ग्रुप के चेयरमैन डॉ. रमेश मनसुखानी ने बताया कि हमारी कंपनी गुजरात, जम्मू, अबूधाबी एवं सउदी अरब में उद्योग स्थापित करने के बाद अब पीथमपुर में अपना नया प्लांट स्थापित करने जा रही है। उन्होंने कहा कि मान इंडस्ट्री ग्रुप अत्यंत गर्व और विनम्रता के साथ मध्यप्रदेश की भूमि से गहराई से जुड़ा हुआ है। हमने पहला निर्माण संयंत्र पीथमपुर में स्थापित किया था।

पिछले तीन दशकों में हमें प्रदेश के औद्योगिक विकास और देश के ऊर्जा सेक्टर में योगदान देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। हमारा संगठन 25 देशों के वैश्विक ग्राहकों को अपनी सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। मान ग्रुप के चेयरमैन ने बताया कि वे मध्यप्रदेश के ही रहने वाले हैं। हम पीथमपुर में अपने वर्तमान संयंत्र के समीप 100 करोड़ रुपये के निवेश से एक नए विस्तार परियोजना की शुरुआत कर रहे हैं।

राज्यपाल ने अंगदान जनजागृति कार रैली को हरी झंडी दिखा किया रवाना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने ऑर्गन डोनेशन कार रैली को हरी झंडी दिखाकर राजभवन से रवाना किया। रैली का आयोजन जी.एम.सी एल्यूमनी एसोसिएशन और किरण फाऊंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। राज्यपाल श्री पटेल ने राजभवन में अंगदाताओं के परिजनों को सम्मानित किया। इस अवसर पर सांसद श्री आलोक शर्मा मौजूद थे। राज्यपाल श्री पटेल ने राजभवन के गेट नंबर एक से वाहन रैली को रवाना किया। उन्होंने देहदानी डॉ. एस.आर. मोघे, देहदानी, नेत्रदानी मीरा गोहिया, नेत्रदानी गणेश कुमार पटेल, नेत्रदानी, देहदानी राम कृपाल सिंह, नेत्रदानी आशा देवी लोकवानी, नेत्रदानी चंद्र भूषण सिंह और नेत्रदानी, देहदानी राधेश्याम पटेल के परिजनों को सम्मानित किया।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के मड़ई में 7वें पक्षी सर्वे की शुरूआत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम् के अंतर्गत 3 दिवसीय 7वाँ पक्षी सर्वे 10 मार्च को मड़ई में होगा। क्षेत्र संचालक श्रीमती राखी नंदा एवं उप संचालक सुश्री पूजा नागले की उपस्थितर्ि में सर्वे किया जायेगा। पक्षी सर्वे संस्था वाइल्ड वरियर इंदौर के सहयोग से किया जा रहा है। पक्षी सर्वे में मध्यप्रदेश के अलावा 11 राज्य छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, झारखण्ड और दिल्ली से आये 76 प्रतिभागियों एवं 8 स्थानीय प्रकृति गाइड, टाइगर रिजर्व के समस्त स्टॉफ द्वारा भाग लिया जा रहा है। पक्षी सर्वे में दो प्रतिभागियों की टीम टाइगर रिजर्व के विभिन्न 38 कैम्पों में रहकर सुबह एवं शाम को पक्षियों की गणना करेंगे। पक्षी सर्वे का समापन 11 मार्च को मड़ई में किया जायेगा। सर्वे के शुभारंभ अवसर पर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम के समस्त सहायक संचालक, परिक्षेत्र अधिकारी एवं संस्था वाइल्ड वरियर इंदौर के डायरेक्टर श्री सचिन मटकर, श्री स्वप्निल फणसे, श्री रितेश खाबिआ, श्री अंशुमन शर्मा और वन परिक्षेत्र कामती के समस्त स्टॉफ उपस्थित रहेंगे।

इंदौर शहर को सिग्नल-लैस शहर बनाने की योजना पर कार्य

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग इंदौर को सिग्नल-लैस शहर बनाने की योजना पर कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य शहर में यातायात को निर्बाध रूप से संचालित करना है। योजना के तहत फ्लाई-ओवर, बाय-लेन, अंडर पास और इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम जैसी पहल लागू की जा रही हैं। योजना के पूरा होने पर इंदौर शहर में नागरिकों का यात्रा समय कम होगा और ट्रैफिक सुचारु रहेगा। सिग्नल-लैस योजना तेजी से बढ़ते शहरी यातायात को सुविधाजनक बनाने और यात्रा समय को कम करने में मदद करेगी। ऑर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग यातायात प्रबंधन को अधिक स्मॉर्ट और कुशल बनाने में भी किया जा रहा है। इस तकनीक से दुर्घटनाओं में कमी भी आयेगी। विभाग द्वारा प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 1330 बसों का संचालन शहरी मार्गों पर किया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखने की दृष्टि से पीएम ई-बस सेवा में 552 ई-बसों का प्रस्ताव केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय को भेजा गया है। बस डिपो अधोसंरचना के प्राक्कलन भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन एवं सागर के स्वीकृत किये गये हैं। इसी के साथ चार्जिंग अधोसंरचना के प्राक्कलन भोपाल, जबलपुर, उज्जैन एवं सागर की स्वीकृत किये गये हैं। प्रदेश के 3 शहरों भोपाल, इंदौर एवं जबलपुर में इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन को बढ़ावा देने के लिये 217 ई-चार्जिंग अधोसंरचना विकास का कार्य विभाग द्वारा किया जा रहा है।

होली से पहले रेलवे ने चलाई 20 स्पेशल ट्रेन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। होली पर यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त यातायात को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने मध्य प्रदेश के लिए कई विशेष ट्रेनों का संचालन किया है। ये ट्रेनें राज्य के प्रमुख शहरों जैसे भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, रीवा, सतना और अन्य क्षेत्रों को जोड़ती हैं। होली पर्व के दौरान यात्रियों को सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए इन विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। बता दें, रेलवे ने कई स्पेशल ट्रेन देश भर के यात्रियों के लिए चलाई हैं। जिसमें 20 ट्रेनें मध्य प्रदेश के अनेक स्टेशनों से गुजरेंगी। भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों ने बताया कि ट्रेनों के बारे में जानकारी के लिए एनटीईएस एप के अलावा रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 से प्राप्त कर सकते हैं।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने किया सीवर लाइन का भूमि पूजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ग्वालियर में बहोड़ापुर से आनंद नगर होते हुए सागरताल चौराहे तक सीवर की मैन ट्रैक लाइन 5 करोड़ 23 लाख रुपए में बनाई जाएगी। इस महत्वपूर्ण परियोजना से क्षेत्र के नागरिकों को स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं में बड़ा लाभ मिलेगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह बात आनंद नगर में सीवर लाइन मैन ट्रैक लाइन के भूमि पूजन के अवसर पर कही। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि आनंद नगर को काफी समय पहले जीडीए ने बसाया था, तब सीवर लाइन डाली गई थी। आज क्षेत्र में सीवर की समस्या काफी बढ़ गई है, इसके निराकरण के लिए पूरे आनंद नगर में नई सीवर लाइन डाली जा ही है। उन्होंने कहा कि उपनगर ग्वालियर में छोटी-छोटी समस्याओं का निराकरण भी प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। आपने और ईश्वर ने जो सेवा करने का अवसर दिया है, वह में जीवन पर्यंत आपकी सेवा करके निभाऊंगा।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि ग्वालियर की तस्वीर बदलनी है, ग्वालियर को सुंदर व स्वच्छ शहर बनाना है, इसके लिए सभी शहरवासी मिलकर कार्य करें। घरों से निकलने वाले कचरे को सिर्फ कचरा वाहन में ही डालें, इधर-उधर ना डालें।

जब नैतिक मूल्यों की गिरावट होती है, तो सख्ती से कानून की ओर जाना पड़ता है-मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि देवलिया जी के परिजनों का ह्रदय से आभार करता हूँ, क्योंकि उन्होंने उनकी स्वाध्याय की; लेखन की; शिक्षा,ज्ञान बांटने की परंपरा का, उनके मन में जो आत्मभाव था,उसे पारितोषक के रूप में इस आयोजन के रूप में सतत बनाए रखा है। मंत्री श्री पटेल आज भोपाल में माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय एवम शोध संस्थान में राज्य स्तरीय अलंकरण एवं देवलिया स्मृति व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंत्री श्री पटेल ने इस वर्ष के राज्य स्तरीय भुवनभूषण देवलिया पत्रकारिता सम्मान से वरिष्ठ पत्रकार राजेश पांडेय को उनकी सुदीर्घ पत्रकारिता के लिए प्रदान किया। समिति के इस 14वें वार्षिक आयोजन के अंतर्गत उन्हें सम्मान स्वरूप 11 हजार रुपए एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया।मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जब %एक देश-एक कानून% की बात होती है, तो मेरा स्वयं का जो सार्वजनिक जीवन है, वो कम से कम चार दशक का है। उन्होंने कहा कि जो संविधान में लिखा हुआ है कि इस पर विचार करना चाहिए। मैं भी इस बात का हिमायती हूं कि संविधान आपको क्लिष्ट लग सकता है, लेकिन संविधान सभा की बहस; हमारे मन में जो प्रश्न पैदा होते हैं, इन प्रश्नों के उत्तर के समान है और रोचक भी है।

पीसीओएस के बचाव एवं रोकथाम पर विशेषज्ञों ने किया विचार-विमर्श

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा पीसीओएस (पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम) के प्रति जागरूकता बढ़ाने, बचाव के उपायों पर चर्चा करने, नीतिगत सुझाव पर विमर्श देने के उद्देश्य से कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) भोपाल में एक दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस हुई। उल्लेखनीय है कि यह पीसीओएस विषय पर मध्यप्रदेश की प्रथम राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस है।

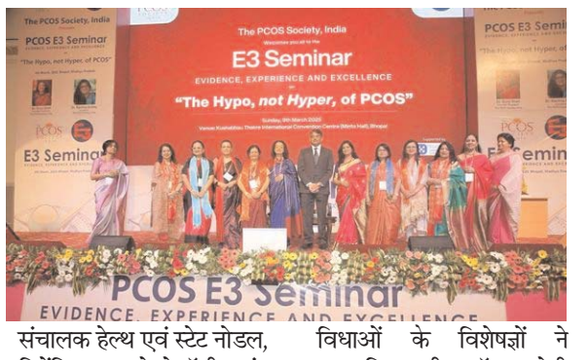

कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, श्री संदीप यादव द्वारा किया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन संचालक डॉ. सलोनी सिडाना,

संचालक हेल्थ एवं स्टेट नोडल, प्रिवेंटिव गायनेकोलॉजी एंड इंफर्टिलिटी डॉ. रचना दुबे, पीसीओएस सोसाइटी ऑफ इंडिया की प्रेसीडेंट डॉ. दुरु शाह तथा कानपुर की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मीरा अग्निहोत्री विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कॉन्फ्रेंस में पीसीओएस के बचाव एवं रोकथाम पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया, जिसमें विभिन्न चिकित्सा विधाओं के विशेषज्ञों ने सहभागिता की। डॉ. सलोनी सिडाना ने पीसीओएस के बचाव के लिये मध्यप्रदेश में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर विशेष संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है और इस दिशा में जनजागरूकता अभियानों एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। डॉ. रचना दुबे ने पीसीओएस में गट हेल्थ (आंतों के स्वास्थ्य) के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हमारे गट में उपस्थित माइक्रोबायोम्स हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। उन्होंने बताया कि यदि पीसीओएस से प्रभावित महिलाएं अपने आहार पर ध्यान दें और तले-भुने खाद्य पदार्थ, समोसे, कचौड़ी, वसायुक्त भोजन एवं शुगर का सेवन कम करें, तो इस स्थिति को नियंत्रित करने में सहायता मिलेगी। पीसीओएस पर व्यापक चर्चा के तहत कई प्रमुख चिकित्सकों द्वारा महत्वपूर्ण सत्र लिए गए, जिनमें डॉ. कविता बापट, डॉ. अर्चना बसेर, डॉ. अनुराग तिवारी, डॉ. पंकज अग्रवाल, डॉ. सुशील जिंदल, डॉ. सुनील मलिक, डॉ. संजय कुमार सहित

तीर्थधाम ज्ञानोदय में तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के दीवानगंज स्थित तीर्थधाम ज्ञानोदय में 14 से 17 मार्च तक विशेष धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। श्री कुन्दकुन्द कहान दिगंबर जैन ट्रस्ट की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में अष्टम वार्षिकोत्सव, श्री रत्नत्रय महामंडल विधान और श्री ज्ञानोदय दिगंबर जैन सिद्धांत महाविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह शामिल है। कार्यक्रम संयोजक अरुण वर्धमान के अनुसार, 14 मार्च को सुबह रत्नत्रय महामंडल विधान से कार्यक्रम की शुरुआत होगी। सागर के सुनील-संजय सर्राफ परिवार मुख्य आमंत्रण कर्ता होंगे। समारोह में पं. अभय कुमार शास्त्री देवलाली, डॉ. शांतिकुमार पाटिल जयपुर, पं. रजनीभाई दोशी हिम्मतनगर और डॉ. वीरसागर दिल्ली का विद्वत सानिध्य रहेगा। पं. दीपक धवल विधानाचार्य होंगे।

15 मार्च को चौसठ रिद्धि विधान होगा, जिसमें देवेंद्र और मोहित बड़कुल परिवार मुख्य आमंत्रण कर्ता होंगे। 16 मार्च को सर्वज्ञ देव विधान में राजेंद्र, संजय व सचिन मोदी परिवार मुख्य आमंत्रण कर्ता रहेंगे। इसी दिन सुबह 9 बजे तृतीय दीक्षांत समारोह होगा। डॉ. शांति कुमार पाटिल समारोह की अध्यक्षता करेंगे और सागर के विधायक शैलेंद्र जैन मुख्य अतिथि होंगे। 17 मार्च को सहज शांति विधान के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

आउटसोर्स कर्मचारियों का नियमितीकरण आंदोलन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में आउटसोर्स और अस्थाई कर्मचारियों के नियमितीकरण आंदोलन ने नया मोड़ ले लिया है। रविवार को कामगार क्रांति आंदोलन के दौरान नेताओं की गिरफ्तारी से नाराज आंदोलित कर्मचारियों ने 15 अप्रैल को जिला स्तर पर रैलियां निकालने और 1 मई को संभाग स्तर पर धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। गिरफ्तार नेताओं को पुलिस ने देर रात रिहा किया। उधर, इस गिरफ्तारी के विरोध में महिलाकर्मी रात 11 बजे तक धरना स्थल पर बैठी रहीं।

कर्मचारी नेताओं का कहना है कि नौकरी में आउटसोर्स और अस्थाई प्रथा का अंत कराया जाएगा। साथ ही अंशकालीन और पंचायत चौकीदारों को न्यूनतम वेतन दिलाने की लड़ाई जारी रहेगी। आउटसोर्स, अस्थाई कर्मचारी मोर्चा मप्र के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने कहा कि भोपाल पहुंचकर हक और अधिकार की बात करना भी अब अपराध हो गया है।

वे कहते हैं कि पहले तो आंदोलन की अनुमति ही नहीं मिलती, जिससे लगता है राजधानी सिर्फ नेताओं, विधायकों, मंत्रियों के लिए ही है, यहां पीड़ित, प्रताड़ित, वंचित लोग अपनी बात नहीं कर सकते और यदि करने की कोशिश करते हैं तो गिरफ्तार कर लिया जाता है जैसा आज किया गया।

शर्मा ने कहा कि सरकार के इस रवैये के खिलाफ संघर्ष जारी रखने की जरूरत है, हम लोग नौकरी में लागू आउटसोर्स अस्थाई प्रथा का अंत कराने एवं नियमितीकरण के लिए संघर्ष करेंगे। जिसके तहत 15 अप्रैल को जिलों में रैलियां और ज्ञापन दिए जाएंगे।

1 मई को संभागीय स्तर पर धरना प्रदर्शन करेंगे। हम फिर भोपाल में क्रांति आंदोलन करेंगे और सरकार से कहेंगे कि हम लोग चुप बैठकर अन्याय सहने को तैयार नहीं हैं।उल्लेखनीय है कि पूर्व से प्रस्तावित इस आंदोलन में प्रदेशभर से कर्मचारी पहुंचे थे। इनमें सरकारी स्कूल-छात्रावासों के अंशकालीन कर्मचारी, ग्राम पंचायत के चौकीदार, पंप ऑपरेटर और स्वास्थ्य विभाग के टेली मेडिसिन कर्मचारी शामिल थे। प्रशासनिक अनुमति नहीं मिलने पर कर्मचारी प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के सामने इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर एकत्रित हुए।

एनएसएस कैंप के तीसरे दिन छात्रों ने निकाली प्रभात फेरी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निर्देशन में ग्राम इमलिया में एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर के तृतीय दिवस में स्वयंसेवकों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। प्रात:कालीन सत्र में प्रभात फेरी, योगाभ्यास, एवं जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें ग्रामीणों को स्वच्छता, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के प्रति जागरूक किया गया। इसके बाद, स्वयंसेवकों ने अपने-अपने कार्यों का निष्पादन कर शिविर की व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। मध्याह्न सत्र में आयोजित बौद्धिक सत्र का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद के पूजन एवं दीप प्रज्जवलन से हुआ। इस अवसर पर उमा दास एवं समूह ने एनएसएस गीत उठें समाज के लिए, उठें उठें की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एच.आर. प्रभाकर (असिस्टेंट डायरेक्टर, एग्रीकल्चर विभाग, मध्य प्रदेश शासन) रहे। उन्होंने समाज सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यक्तित्व का विकास समाज से जुड़कर ही संभव है। यदि हमें एक विकसित ग्राम और विकसित भारत बनाना है, तो हमें सामाजिक सेवा को प्राथमिकता देनी होगी, और इसके लिए एनएसएस एक बेहतरीन मंच है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता योगिता पवार ने की, जबकि उपाध्यक्ष ज्ञानदेव रहे। इस अवसर पर शिविर के संयोजक राकेश वर्मा ने स्वागत भाषण दिया। अर्पित कुमार, प्रयांश पाठक, दुर्गा प्रसाद, सुभद्रा, वनश्री आदि स्वयंसेवकों ने अपने शिविर अनुभव साझा किए। सभा का संचालन प्रशांत कुमार मिश्रा ने किया तथा भुवन मोहन वशिष्ठ ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया। सायंकालीन सत्र में रूमाल झपट्टा, राम-रावण जैसे खेलों का आयोजन किया गया, जिससे प्रतिभागियों में उत्साह देखने को मिला। रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने गीत-संगीत और नृत्य प्रस्तुतियां दीं। दिनभर की गतिविधियों के बाद भोजन व विश्राम के साथ तृतीय दिवस का समापन हुआ। इस अवसर पर संयोजक राकेश कुमार वर्मा, अध्यापक गोकुलानंद तिवारी, एस. कृष्णा, कनवल्ली मैडम सहित विश्वविद्यालय के कई अधिकारीगण एवं छात्र उपस्थित रहे।

टैंकर-जीप की टक्कर, 9 की मौत

12 लोग घायल, 7 की हालत गंभीर, मुंडन संस्कार में मैहर जा रहे थे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी में टैंकर और जीप की टक्कर में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक घायल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 12 घायलों में से 7 की हालत गंभीर है।

हादसा कोतवाली थाना इलाके में हुआ। मृतकों में पांच महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। घायलों में 6 बच्चे भी हैं। गंभीर घायलों को रीवा मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है, बाकी को सीधी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तूफान जीप में 21 लोग सवार थे। सभी आपस में रिश्तेदार हैं।

डीएसपी गायत्री तिवारी ने बताया- राजमणि साहू अपनी बेटी का मुंडन संस्कार कराने मैहर के झोखो जा रहे थे। उनके परिवार के साथ ससुराल पक्ष के लोग भी थे। टैंकर सीधी से बहरी की ओर जा रहा था।

रात करीब ढाई बजे उपनी पेट्रोल पंप के पास दोनों वाहनों में आमने-सामने से टक्कर हो गई। मामले की जांच की जा रही है।

बाउंड्री वॉल तोड़कर घर के अंदर घुसी अनियंत्रित बस

बाहर बैठी महिला को कुचला, मौत, यात्री बचे, चालक फरार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले में रविवार सुबह करीब 10.30 बजे एक अनियंत्रित बस सड़क किनारे बने बाउंड्री वॉल को तोड़ते हुए घर के अंदर घुस गई। हादसे में बस ने घर के सामने बैठी महिला को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई।

सूचना के बाद घटनास्थल पर पुलिस पहुंच गई। बस को जब्त में लिया है। बस के अंदर बैठे 15-16 यात्री बच गए हैं। घटना सरई थाना क्षेत्र में रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

बस ने घर के बाहर बैठी महिला को रौंदा: दरअसल, रविवार को एक यात्री बस करीब 15-16 यात्रियों को बैठाकर बैढन से सरई की ओर जा रही थी। अचानक सरई रेलवे क्रॉसिंग के पास बस अनियंत्रित हो गई। इसके बाद वह सड़क किनारे बने घर की बाउंड्री वॉल को तोड़कर घर के अंदर घुस गई। बाउंड्री वॉल के अंदर बैठी सावित्री जायसवाल (38) को बस ने कुचल दिया, जिससे उसने मौके पर दम तोड़ दिया। घटना में बस के अंदर सवार यात्रियों को हल्की चोटें आई।

हालांकि, यात्री अपने घर पर चले गए। पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया है। बस चालक मौके से फरार है। घटना के बाद से मृतका सावित्री जायसवाल के परिजन आक्रोशित हैं। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर और बस मालिक के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सरई थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह भदौरिया के अनुसार, प्रिया बस सर्विस की बस जिला मुख्यालय बैढ़न से सरई आ रही थी। रेलवे क्रॉसिंग से पहले बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने घर की दीवार तोड़ते हुए अंदर घुस गई। घर की बाउंड्री के अंदर बैठी सुमित्रा को बस ने कुचल दिया।

मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु पर दु:ख व्यक्त किया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीधी जिले के उपनी गांव के समीप देर रात सड़क दुर्घटना में आठ श्रद्धालुओं की असामयिक मृत्यु पर दु:ख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 2-2 लाख रुपए, गंभीर घायलों को एक-एक लाख एवं सामान्य घायलों को 50-50 हजार रुपए की राशि स्वीकृत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि देर रात पुलिस एवं प्रशासन के उच्च अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय नागरिकों की मदद से घायलों के इलाज का प्रबंध किया और गंभीर रूप से घायल यात्रियों को रीवा रेफर किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवार के साथ शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए भगवान महाकाल से दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजनों को इस अथाह दु:ख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ्य लाभ की कामना भी की। उल्लेखनीय है कि मैहर माता के दर्शन करने जा रहे यात्री वाहन और ट्रक की रविवार को देर रात हुई भयानक टक्कर में आठ यात्रियों की मृत्यु हो गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया में जारी संदेश के माध्यम से वाहन चालकों से वाहन सावधानी से चलाने, सड़कों पर आवश्यक सावधानी व सतर्कता रखने और अपने आराम व नींद का ध्यान रखते हुए वाहनों के संचालन की अपील की है।

धनपुरी नगरपालिका के कमर्चारियों का प्रदर्शन

सीएमओ ने 190 दैनिक वेतनभोगियों को अंशकालिक किया, इससे नाराज

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल की धनपुरी नगरपालिका में नवनियुक्त सीएमओ पूजा बुनकर ने 190 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को अंशकालिक कर्मचारी बना दिया है। इस फैसले से कर्मचारियों में नाराजगी है। सोमवार शाम 4 बजे नगर पालिका परिसर में 190 दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों ने इसका विरोध किया।

त्योहारों के पहले लिए गए इस निर्णय से कर्मचारियों की आय पर सीधा असर पड़ेगा। इससे उनके परिवार का भरण-पोषण प्रभावित होगा। विरोध में सभी कर्मचारी नगरपालिका पहुंचे और अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं।

नपा अध्यक्ष के पति ने सुनी कर्मचारियों की समस्याएं: मामले में एक और विवाद यह सामने आया कि नगरपालिका अध्यक्ष रविंदर कौर छाबड़ा की जगह उनके पति इंद्रजीत सिंह छाबड़ा कर्मचारियों की समस्याएं सुन रहे थे। जब पति समस्याएं सुन रहे थे, तब सीएमओ पूजा बुनकर भी वहां मौजूद थीं।

कर्मचारी बोले- दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी का दर्जा मिले: कर्मचारियों ने शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करते हुए मांग की है कि उन्हें पहले की तरह दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि मांग पूरी न होने पर वे उग्र आंदोलन करेंगे। धनपुरी नगरपालिका आय के मामले में शहडोल संभाग की सबसे बड़ी नगरपालिका है।

सीएमओ ने कहा- नियम के अनुसार ही आदेश जारी किया: नगर पालिका की सीएमओ पूजा बुनकर ने कहा कि कर्मचारियों के लिए यह आदेश नियम के अनुसार ही निकाला गया है, अभी वो सब आए थे और अपनी बात रखी। यदि उन्हें किसी प्रकार की समस्या हो रही है तो उसे दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

अवैध रेत उत्खनन के मामले में दो गिरफ्तार

ट्रैक्टर पलटाकर भागे थे आरोपी, शासकीय कार्य में बाधा का भी मामला दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। खैरहा पुलिस ने अवैध रेत उत्खनन और शासकीय कार्य में बाधा डालने के मामले में दो आरोपियों को सोमवार को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मुकेश कोल और विपिन द्विवेदी के रूप में हुई है। दोनों बोडरी, थाना सिंहपुर के निवासी हैं।

खैरहा थाना क्षेत्र के खन्नध गांव में मुखबिर से सूचना मिली थी कि रेत का अवैध उत्खनन और ट्रैक्टर से परिवहन किया जा रहा है। पुलिस के मौके पर पहुंचते ही चालक रेत से भरा ट्रैक्टर लेकर भागने लगा। भागते समय उसने हाइड्रोलिक से रेत गिराई और ट्रैक्टर जंगल में पलट गया। चालक और मालिक मौके से फरार हो गए।

आरोपी कोर्ट में पेश: पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। आरोपियों के खिलाफ अवैध उत्खनन और शासकीय कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया गया। फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

दूल्हे के चाचा की मौत, बारात के दौरान शौच के लिए गए थे, ग्रामीणों को कुएं में दिखा शव

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जैतपुर थाना क्षेत्र में एक बारात में आए दूल्हे के चाचा रामसखा पाव की कुएं में डूबने से मौत हो गई। यह घटना सोमवार को सीधी थाना क्षेत्र के कुदरा टोला से जैतपुर कुंड गांव में आई बारात के दौरान हुई।

हीरालाल पाव की पुत्री की शादी में बाराती रामसखा पाव जयमाला कार्यक्रम के बाद शौच के लिए घर की बाड़ी में गए। वहां बने कुएं में वह गिर गए। सुबह जब उनकी तलाश की गई तो वह कहीं नहीं मिले।

परिजनों ने कुएं में देखा तो एक शव पानी में तैरता मिला। कपड़ों से शव की पहचान रामसखा के रूप में की गई। पुलिस को तुरंत सूचना दी गई। जब बारात की विदाई की तैयारी चल रही थी, तभी यह दुखद घटना सामने आई।

जैतपुर थाना प्रभारी राम कुमार गायकवाड़ ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। परिजनों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। इस घटना के बाद बारात में शामिल सभी लोग शोक में डूब गए।

अनफिट बस और ट्रिप टेलर जब्त

परिवहन विभाग ने 3.20 लाख का जुर्माना लगाया

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में सोमवार को परिवहन विभाग और उड़न दस्ता टीम ने एक अनफिट बस और कोयले से लदे एक ट्रिप टेलर को जब्त किया है। विभाग ने नियमों की अनदेखी करने पर यह कार्रवाई की है। दोनों वाहनों से कुल मिलाकर 3 लाख 20 हजार का जुर्माना भी वसूला है।

उड़न दस्ता प्रभारी अनिमेष जैन के अनुसार, टीम ने जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया। जिला परिवहन अधिकारी विक्रम सिंह राठौड़ ने कहा कि विभाग सुधार, सुझाव और सहयोग के आधार पर काम कर रहा है। इससे सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकेगा। उन्होंने बस मालिकों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

युवा संगम - रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन 18 को

सीधी। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि जिले के बेरोजगार युवक एवं युवतियों को एक ही छत के नीचे रोजगार एवं स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, आई.टी.आई एवं जिला रोजगार कार्यालय सीधी द्वारा दिनांक 18 मार्च 2025 को संजय गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी के परिसर में एक दिवसीय "युवा संगम" संयुक्त रूप से रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में देश, प्रदेश एवं स्थानीय स्तर से निजी क्षेत्र की कंपनियाँ भाग ले रही है।

दो लाख की चोरी, पड़ोसी गांव के शादी समारोह में गए परिवार के घर हुई वारदात

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के सनौसी गांव में चोरों ने घर से दो लाख रुपए का सामान पार कर दिया। रविवार को राजकमल पटेल का परिवार पड़ोसी गांव में शादी समारोह में गया था। चोरों ने इस मौके का फायदा उठाया।

घर में लगा ताला तोड़कर चोर अंदर घुसे। चोर अलमारी के लॉकर से सोने-चांदी के जेवर और नकद रुपए समेत करीब दो लाख का सामान चुरा ले गए। परिवार के लौटने पर घर का सारा सामान बिखरा मिला।

पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर टीम पहुंची। ब्यौहारी थाना प्रभारी अरुण पांडेय के मुताबिक चोरी का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस जल्द ही चोरों को पकड़ने का दावा कर रही है। इससे पहले कोतवाली थाना क्षेत्र के कोयलारी में भी चोरी हुई थी। वहां भी पुलिस अभी तक चोरों को पकड़ने में नाकाम रही है। जिले में लगातार हो रही चोरी की वारदातों से आम लोगों में डर का माहौल है।

संभाग आयुक्त बोले- गर्मी में पानी की कमी न हो

पेयजल व्यवस्था करने दिए निर्देश, विकास कार्यों की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। रीवा संभाग के आयुक्त बीएस जामोद ने सोमवार को सिंगरौली का एक दिवसीय दौरा किया। उन्होंने सूर्य भवन में जिले के विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की।

आयुक्त ने नगर निगम की अमृत जल पाइपलाइन और पीएचई की पेयजल व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम में पानी की कमी न हो। जहां पेयजल व्यवस्था नहीं है, वहां तत्काल सुनिश्चित करें।

समय-सीमा में कार्य पूरा करने दिए निर्देश: जल निगम और एमपी आरडीसी के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि सभी निर्माण कार्य समय पर पूरे होने चाहिए। इसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और जिला अधिकारियों की होगी। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया। साथ ही निर्देश दिए कि बजट की कमी के कारण कोई भी काम नहीं रुकना चाहिए।

इसके बाद आयुक्त सरई, माडा और देवसर क्षेत्र का दौरा किया। आगामी त्योहारों को देखते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। पूरे दौरे के दौरान सिंगरौली कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला उनके साथ रहे।

प्रभारी मंत्री ने सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को शोक संवेदना व्यक्त की

घायलों को समुचित उपचार प्रदान करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा सीधी जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने गत दिवस जिले में सड़क दुर्घटना के मृतकों के परिजनों को अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की है। उन्होंने दिवंगत पुण्य आत्माओं की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस कष्ट को सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

घटना के बाद प्रभारी मंत्री ने कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी तथा पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा से चर्चा की। उन्होंने घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने भविष्य के लिए इस प्रकार की सड़क दुर्घटनाओं को रोकने विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि इस प्रकार की सड़क दुर्घटनाओं कई बहुमूल्य जिंदगियों को असमय खो देना अत्यंत ही दु:खद है। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिले में अभियान चलाकर प्रयास किए जाए।

उल्लेखनीय है कि सीधी जिले अंतर्गत उपनी गांव के समीप रविवार की देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में मैहर माता के दर्शन करने जा रहे यात्री वाहन और बलकर की भयानक टक्कर में आठ यात्रियों की असामयिक दर्दनाक मृत्यु हो गई तथा 13 अन्य घायल हो गए।

अचल सम्पत्ति के बाजार मूल्य निर्धारण हेतु जिला मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित

नागरिकों के सुझाव 13 मार्च तक आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांतों का बनाया जाना और उनका पुनरीक्षण नियम 2018 के पालन में सोमवार 10 मार्च को कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में जिला सीधी अंतर्गत आने वाली अचल सम्पत्तियों के बाजार मूल्य निर्धारण हेतु वर्ष 2025-26 के लिए उप जिला मूल्यांकन समिति सीधी एवं रामपुर नैकिन द्वारा अनुमोदन पश्चात् संकलित वर्ष 2025-26 के लिए अचल सम्पत्ति के बाजार मूल्य की दरें निर्धारित करने हेतु बैठक आयोजित की गई।

जिले में संभावित विकास, सम्पदा द्वारा प्रदाय जानकारी व नगरीय निकास के विस्तार आदि तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जिला मूल्यांकन समिति के सभी सदस्यों द्वारा चर्चा उपरांत वर्ष 2025-26 की प्रस्तावित गाईड-लाईन में युक्तियुक्त वृद्धि करने एवं आवश्यक संशोधन करने हेतु अपनी अनुशंसा एवं सहमति प्रदान की गई। पारित प्रस्तावों का अवलोकन कार्य दिवसों में जिला पंजीयक कार्यालय सीधी एवं उपपंजीयक कार्यालय में किया जा सकता है।

13 मार्च तक प्रस्तुत कर सकते हैं सुझाव: नागरिक अपने सुझाव 13 मार्च तक जिला पंजीयक कार्यालय सीधी एवं उपपंजीयक कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते। पारित प्रस्ताव केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड को प्रेषित किये जाएंगे जो अनुमोदन उपरान्त वर्ष 2025-26 के लिए अचल सम्पत्ति के बाजार मूल्य लागू हो जायेंगे।

बैठक में अध्यक्ष जनपद पंचायत सीधी धर्मेंद्र सिंह परिहार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी सिहावल एसपी मिश्रा, जिला पंजीयक अभिषेक सिंह बघेल, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग, वन विभाग, उद्योग विभाग तथा पंजीयन विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक निराकृत करायें : कलेक्टर

समय-सीमा बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विस्तृत समीक्षा की गई। गत माह शिकायतों के निराकरण में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि सभी विभाग प्रमुख शिकायतों के निराकरण की प्रतिदिन समीक्षा करें तथा शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करायें। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग अपनी रैंक को सुधारने में ध्यान केन्द्रित करें। साथ ही बैठक में बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने पर वाले अधिकारियों को

कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि खराब हैंडपंप की शिकायत अत्यधिक आ रही है, अभियान चला कर हैण्डपंपों का सुधार कराना सुनिश्चित करें और उसकी रिपोर्ट जिला कार्यालय को भेजें। कलेक्टर ने कहा कि आगामी त्यौहारों के पहले मिलावट खोरी के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करें। कलेक्टर ने कहा कि अतिरमण संबंधित शिकायतों पर संयुक्त भ्रमण कर निराकरण करें। जिला अधिकारी नियमित सीएम हेल्पलाइन की मॉनिटरिंग अपने स्तर से करना सुनिश्चित करें। लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत समय-सीमा बाध्य प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया है कि आगामी 15 दिवस में अभियान चलाकर सभी प्रकार के लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। आगामी समीक्षा में अपेक्षित प्रगति नहीं पाए जाने पर संबंधितों के विरूद्ध नियमानुसार जुर्माने की कार्यवाही की जावेगी।

इम्पलाई प्रोफाइल का समग्र आईडी से सत्यापन के निर्देश: कलेक्टर ने सभी डीडीओ तथा कार्यालय प्रमुख को निर्देशित किया है कि अपने अधीन पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों की इम्पलाई प्रोफाइल का समग्र आईडी से सत्यापन करके आधार संख्या से लिंक कराएं। सभी शासकीय कर्मचारी इम्पलाई सेल्फ सर्विस प्रोफाइल के माध्यम से अपनी समग्र आईडी को दर्ज कर सत्यापित कर सकते हैं। शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा 15 मार्च 2025 तक सभी कर्मचारियों की इम्पलाई प्रोफाइल का समग्र आईडी से सत्यापन करायें। इसके साथ ही कलेक्टर द्वारा सभी असफल भुगतानों, एनपीएस के मिसिंग क्रेडिट, डीपीएफ भुगतान एवं ईएसएस प्रोफाइल में नॉमिनी के विवरण अद्यतन करने संबंधी कार्यवाही आगामी एक सप्ताह में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी सिहावल एसपी मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विचार

ट्रम्प विरोधियों की बड़ी संख्या

अमरीका का राष्ट्रपति पद संभालने के साथ डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मामलों पर दिए वक्तव्यों, निर्णयों तथा विदेशी नेताओं के साथ व्यवहार से निःसंदेह, अमरीकी नीतियों और अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को लेकर आशंकाएं पैदा हुई हैं। यह तो अनुमान था कि वे जो बाइडेन की नीतियों में व्यापक बदलाव लाएंगे, लेकिन इस सीमा तक जाएंगे इसकी कल्पना शायद ही किसी ने की होगी। पश्चिम एशिया की समस्या पर यह वक्तव्य देकर उन्होंने हलचल मचा दी कि गाजा पट्टी पर कब्जा कर उसका पुनर्निर्माण करेंगे एवं नए सिरे से बसाएंगे। रूस-यूक्रेन युद्ध पर उनकी नीति उलट गई है। वे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सीधा संपर्क कर बातचीत कर रहे हैं और ऐसा लगता है कि जैसे दोनों के बीच समझौता तय हो गया है। यूरोपीय देशों को वे यूक्रेन को सैन्य व अन्य सहयोग पर लगातार खरी-खरी सुना रहे हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ ह्वाइट हाऊस की संयुक्त पत्रकार वार्ता में उनकी बहस हुई। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को तो ह्वाइट हाऊस से निकाला गया। साफ था कि ट्रम्प उन्हें युद्ध के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए डांट रहे हैं कि आप तृतीय विश्व युद्ध कराने की ओर बढ़ रहे हैं। इस तरह का व्यवहार किसी राष्ट्र प्रमुख का कभी देखा नहीं गया। अमरीका सहित विश्व भर में ट्रम्प विरोधियों की बड़ी संख्या है तथा विश्व को अपने किस्म की व्यवस्था देने की बौद्धिक, वित्तीय, व्यावसायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक राजनीतिक आदि व्यवस्थाएं देने में लगे राज्य, गैर राज्य शक्तियां-संगठन-समूह आदि ट्रम्प को समाज एवं विश्व का खलनायक बनाने की होड़ में लगे हैं। सामान्य तौर पर लगता है कि कोई नासमझ या सिरफिरा व्यक्ति अमरीकी राष्ट्रपति पद पर आसीन हो गया है। व्यवहार ऐसा है जो होना नहीं चाहिए। क्या यही सच है? न भूलिए कि ट्रम्प अमरीकी राष्ट्रपति हैं और अमरीका की शिक्षित जनता ने उन्हें सीधे निर्वाचित किया है। ऐसा व्यक्ति न सिरफिरा हो सकता है और न बिना सोचे-समझे या गैर योजना से कुछ करेगा। इसलिए मान लीजिए कि ट्रम्प सुनियोजित तरीके से अपनी रणनीति के तहत बढ़ रहे हैं और उनके निश्चित लक्ष्य हैं।

संसद के संयुक्त संबोधन में उन्होंने अमरीका और पूरे विश्व के लिए अपनी कार्ययोजना को रख दिया है। यह बात अलग है कि वर्तमान विश्व की संरचनाओं, जटिलताओं और उथल-पुथल की स्थिति में ट्रम्प के लिए इच्छित लक्ष्य पाना कठिन है। इसे वे और उनके सलाहकार भी समझ रहे हैं। 2020 में सत्ता से जाने के बाद उन्होंने कुछ घोषणाएं की थीं और पिछले करीब डेढ़ वर्ष से उन्होंने चुनाव अभियान में जनता के समक्ष सारी बातें रखीं। किसी निष्कर्ष पर पहुंचने या विश्व भर में शक्तिशाली अतिवादी इकोसिस्टम और बनाए गए नैरेटिव से बाहर निकलकर उनके व्यवहार से आए कुछ त्वरित परिणामों पर दृष्टि डालिए।

क्या इमैनुएल मैक्रों और जेलेंस्की के साथ लाइव विवाद के बाद इस इकोसिस्टम द्वारा जो नैरेटिव बनाकर डर और आशंकाएं पैदा की जा रही हैं उसकी परिणति भी वैसे ही सामने आई है?

भारतीय टीम ने 12 साल बाद जीती चैम्पियंस ट्रॉफी

12 साल बाद चैपियंस ट्राफी में भारत की विजय ने क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। 2017 में पाकिस्तान ने फाइनल में भारत को हरा दिया था। इससे पहले 2013 में भारत ने यह खिताबी मुकाबला जीता था। तब धोनी की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड को फाइनल में हराया था। 2002 में भारत और श्रीलंका संयुक्त विजेता बने थे। इस तरह भारत ने रविवार को तीसरी बार आईसीसी की यह ट्राफी अपने नाम की है। इस विजय से विश्व कप- 2023 में अपने ही घर में ऑस्ट्रेलिया से मिली पराजय का गम भी कम हो गया है। भारत ने बिना कोई मैच हारे सभी मैच में जीत दर्ज की है। सेमी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हरा कर उसका दंभ भी हमने तोड़ दिया जो उसकी टीम ने विश्व कप के फाइनल में अहमदाबाद में दिखाया था। कंगारू टीम का मानमर्दन करके पूरी टीम इंडिया ने कमाल का प्रदर्शन किया है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच का रोमांच तो सिर चढ़ कर बोलता है। और, इस बार भी हमारी टीम ने उसे हराकर अच्छा सबक सिखाया है।

वैसे तो पिछला चैम्पियन होने के नाते पाकिस्तान इस टूर्नामेंट का मेजबान था लेकिन भारत ने अपने सभी मैच दुबई में खेले। चूंकि सुरक्षा कारणों से भारत ने पाकिस्तान में जाकर मैच खेलने से इनकार कर दिया था, इसलिए एक समझौते के तहत भारतीय टीम ने अपने मैच दुबई में खेलना स्वीकार किया। पाकिस्तान की दिली इच्छा थी कि भारत की टीम उसके देश में आए। उसने तर्क दिया कि हम विश्व कप के मैच खेलने 2023 में भारत गए थे तो भारत को पाकिस्तान आने में क्या दिक्कत है? मगर, भारत सरकार ने अपनी टीम को वहां जाने की अनुमति नहीं दी। दरअसल, पाकिस्तान हमेशा आतंकी हमलों का शिकार होता रहा है। लगभग दस साल तक उसके यहां कोई विदेशी टीम खेलने नहीं गई। फिर भारत को लेकर तो वहां ज्यादा ही कटुता है। इन्हीं कारणों से भारत ने वहां जाने से इनकार कर दिया।

दुबई में पहले भी भारत खेल चुका है। वहां दर्शकों का भरपूर समर्थन टीम इंडिया को मिलता है। कोविड के समय अरब देश में आईपीएल का आयोजन भी हो चुका है। तटस्थ देश के रूप में भारत और पाकिस्तान के लिए यह मुफीद जगह है। मगर, दुबई के स्टेडियम में इस बार स्पिन गेंदबाजी ने बल्लेबाजों को नचा दिया। भारतीय टीम में जब पांच स्पिन गेंदबाजों को चुना गया तो लोग हैरान थे। पिच का स्वभाव देख कर ही भारत ने शुरू के दो मैचों के बाद अपने एकादश में चार स्पिनर रख लिये। यह निर्णय तुरुप का इक्का साबित हुआ। न्यूजीलैंड के खिलाफ लीग मैच में वरुण चक्रवर्ती ने पांच विकेट लेकर इस निर्णय को सही साबित कर दिया। भारत की स्पिन चौकड़ी अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और वरुण ने विपक्षी टीमों के इर्द गिर्द ऐसा जाल बुन दिया जिसमें वे फंसते चले गए।

आमतौर पर 50 ओवर के मैच में चार स्पिनर नहीं खिलाए जाते हैं। लेकिन भारत का प्रयोग बेहद सफल रहा। फाइनल मैच में भी कुलदीप ने रचिन रवींद्र और विलियमसन को जल्द आउट करके न्यूजीलैंड की कमर तोड़ दी। अगर ये दोनों टिक जाते तो बड़ा स्कोर बना लेते, फिर भारत के सामने कठिन चुनौती पेश हो जाती। वरुण ने तीन मैचों में 9 विकेट लेकर अपनी उपयोगिता साबित कर दी है। वहीं, अक्षर पटेल ने आलराउंडर की भूमिका में खुद को फिट कर लिया है। बल्लेबाजी क्रम में अक्षर को ऊपर भेजने का बहुत लाभ मिला। उसका योगदान हमेशा याद किया जाएगा। मध्य क्रम में श्रेयस अय्यर ने प्रभावशाली प्रदर्शन करके टीम को मजबूती दी। शुभमन गिल ने बांग्लादेश के खिलाफ तो विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ शतक बनाया। केएल राहुल की नाकामी से सभी चिंतित थे, पर सेमी फाइनल और फाइनल मैच के दौरान उसे यह दाग धो दिया। हार्दिक पांड्या ने बड़े शाट लगाकर लक्ष्य को आसान बना दिया। इस तरह सभी के योगदान से यह जीत मिली है। किसी एक खिलाड़ी को इसका श्रेय देना उचित नहीं होगा।

फाइनल मुकाबले में 252 रन का लक्ष्य बहुत बड़ा नहीं था पर, न्यूजीलैंड की टीम ने अपनी शानदार फील्डिंग से इसे मुश्किल बना दिया। भारत को कुछ विकेट फालतू में गंवाने पड़े वर्ना आसानी से जीत मिल जाती। क्रिकेट के खेल में कब क्या हो जाए कोई नहीं जानता। कप्तान रोहित और गिल के बीच सौ रन की ओपनिंग साझेदारी के बाद हालात कैसे बदल गए यह हम सबने देखा। %चेज मास्टर% कहे जाने वाले विराट कोहली एक रन बना कर चलते बने। न्यूजीलैंड की टीम ने चुस्त क्षेत्ररक्षण से भारत को रनो के लिए तरसा दिया। यह वही टीम है जिसने वर्ष 2000 की चैम्पियन ट्राफी के फाइनल में भारत को पराजित कर दिया था। तब इसका आयोजन केन्या में हुआ था।

कप्तान रोहित शर्मा ने लगातार दो आईसीसी ट्राफी जीत कर आलोचकों को जवाब दे दिया है। आपको बता दें कि पिछले साल जून में उनकी टीम ने देश को टी-20 विश्व कप दिलाया था। दुबई में यह अफवाह भी उड़ी कि रोहित वनडे प्रारूप से संन्यास लेने जा रहे हैं। मगर, उन्होंने खुद इसका खंडन कर दिया। उम्मीद करनी चाहिए कि विश्व कप-2027 तक वह भारत की ओर से खेलते रहेंगे। आस्ट्रेलिया में बार्डर-गावसकर ट्राफी के दौरान टेस्ट मैचों में बेहद खराब प्रदर्शन के कारण रोहित पर सवाल उठे थे। मगर, इस जीत ने उस पर पर्दा डाल दिया है।पूरी टीम एकजुट होकर खेली तभी इतनी बड़ी कामयाबी मिली है। आज पूरा देश गर्व कर रहा है। टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए भी यह %विराट विजय% राहत पहुंचाने वाली है। पिछले साल न्यूजीलैंड से घरेलू टेस्ट सीरीज और ऑस्ट्रेलिया में मिली करारी पराजय के बाद गंभीर की कार्यशैली पर सवाल उठाए जा रहे थे। अगली चुनौती इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज है। आईपीएल के बाद टीम इंडिया को इंग्लैंड जाना है। देखना होगा कि वहां भारत का प्रदर्शन कैसा रहता है।

नशा एक कोढ़ की तरह है जो, परिवार की पूरी तबाही का कारण बनता है

नशा एक कोढ़ की तरह है जो न सिर्फ व्यक्ति को तबाह कर देता है बल्कि उसके परिवार की पूरी तबाही का कारण भी बनता है। परिवार, जो समाज की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है, उस इकाई के प्रभावित होने का प्रभाव समाज पर पड़ता है। नशे में धुत व्यक्ति अपने परिवार और समाज को भूल कर अपराध की ऐसी दुनिया में दाखिल हो जाता है जिसमें उसका अंत निश्चित है। परिवार और समाज को आर्थिक तथा सामाजिक तौर पर कमजोर करने वाले इस नशे के कोढ़ को खत्म करने के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गहराई से विचार किया। इसको ध्यान में रखते हुए नशों की सप्लाई चेन को तोडने से लेकर नशों के सौदागरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और नशे में धुत नौजवानों का उपचार करने तक की योजना तैयार की गई थी।

इस योजना के तहत मंत्रियों के साथ 5 सदस्यीय कैबिनेट कमेटी बनाई गई। कमेटी की अहम भूमिका नशों संबंधी की जा रही कार्रवाई की निगरानी करना है। कमेटी का नेतृत्व वित्त मंत्री हरपाल चीमा कर रहे हैं और इसमें 'आप' के पंजाब अध्यक्ष अमन अरोड़ा, मंत्री बलबीर सिंह, मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर और मंत्री तरुणप्रीत सौंद भी शामिल हैं। कमेटी में शामिल मंत्री जहां एक ओर विभिन्न जिलों का दौरा कर रहे हैं और नशों के विरुद्ध एक्शन प्लान का जायजा ले रहे हैं, वहीं वे नशा छुड़ाओ केंद्रों की सहूलियतों की भी जांच कर रहे हैं। इस योजना का सबसे अहम पहलू पंजाब में बुलडोजर कार्रवाई के रूप में लागू किया गया है जिसे प्रदेश के लोगों की ओर से काफी पसंद किया जा रहा है। अब पंजाब पुलिस जब फील्ड में नशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करती है तो पुलिस मुलाजिमों का भी सीना फख्र से चौड़ा हो जाता है। एक ओर जहां नशा बेच कर बनाई गई सम्पत्तियों पर मान सरकार का बुलडोजर चल रहा है, वहीं दूसरी ओर नशे के कारण जिन नौजवानों की जिंदगी बर्बाद हो चुकी है उन्हें नशा छुड़ाओ केंद्रों में उपचार करवाने के लिए सहूलियतें मुहैया करवाई जा रही हैं। पंजाब के लोग इस बात के गवाह हैं कि राज्य की पिछली सरकारों के कार्यकाल के दौरान नशाखोरी का मुद्दा उठा फिर चाहे वह कांग्रेस हो या फिर अकाली भाजपा सरकार मगर किसी भी सरकार ने दृढ़ इरादे के साथ इसे खत्म करने के लिए प्रयत्न नहीं किए।

अब आम आदमी पार्टी ने इरादा और दृढ़ निश्चय के साथ नशों के विरुद्ध युद्ध शुरू किया है। इस मुहिम के आंकड़ों की बात करें तो नशा विरोधी मुहिम 1 मार्च से शुरू हुई थी और सिर्फ 4 मार्च तक पुलिस ने नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टैंस एक्ट (एन.डी.पी.एस.) के तहत 580 एफ.आई.आर. दर्ज कर 789 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। करीब 74 किलो हैरोइन, 19.5 किलो अफीम और 77 किलो सिंथैटिक ड्रग्स जब्त की गई है।

गरीबी और अमीरी की बढ़ती खाई ने खड़े किये सवाल

देश के लगभग 100 करोड़ भारतीयों के पास इतनी आय नहीं है कि वे विवेकाधीन वस्तुओं पर कुछ भी खर्च कर सकें। अर्थात वे किसी भी प्रकार से किसी भी वस्तु पर अतिरिक्त खर्च करने में असमर्थ हैं। लोग जरूरत के अलावा सामान या सुविधाएं नहीं खरीद सकते। वहीं, देश के केवल 10 फीसदी लोग, अर्थात 13-14 करोड़ लोग देश की अर्थव्यवस्था को चला रहे हैं, क्योंकि ये लोग ही सबसे ज्यादा खर्च करते हैं और देश की तरक्की में बड़ा रोल निभाते हैं। केंद्र सरकार एक तरफ देश में तरक्की का नया मॉडल पेश करते हुए विकसित भारत की तरफ बढ़ते कदमों का आंकड़ा पेश करती है, वहीं गरीबी और अमीरी की बढ़ती खाई ने इस मॉडल पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। ब्लूम वेंचर्स की इंडस वैली की वार्षिक रिपोर्ट 2025 भारत की आर्थिक विषमता की यह तस्वीर पेश करती है। इस रिपोर्ट का सरकार द्वारा किसी तरह प्रतिवाद नहीं किए जाने से साफ जाहिर है कि देश की आर्थिक सेहत एक तरफा जा रही है। अमीरी और गरीबी की खाई का चौड़ा होना जारी है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत का उपभोक्ता बाजार बड़े स्तर पर विस्तार नहीं कर रहा है, बल्कि एक ही जगह गहरा होता जा रहा है। इसका मतलब यह है कि भले ही अमीर लोगों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हो रही है, लेकिन जो लोग पहले से ही अमीर हैं, वे और भी अमीर हो रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार शीर्ष 10 प्रतिशत भारतीयों (10 सबसे अमीर भारतीय) के पास अब कुल नेशनल आय का 57.7 प्रतिशत हिस्सा है, जो पहले 1990 में 34 प्रतिशत था, जबकि निचले स्तर पर यह हिस्सा पहले के 22.2 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत रह गया है। इसके अलावा, 30 करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्होंने हाल फिलहाल खर्च करना शुरू किया है। ये लोग भी अपने खर्च को लेकर बहुत सावधान हैं। खर्च करने वाला वर्ग बढ़ नहीं रहा!

आंकड़ों के मुताबिक 5 साल पहले रियल एस्टेट की कुल बिक्री में अफोर्डेबल हाउसिंग की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत थी, जो अब घटकर महज 18 प्रतिशत रह गई है। इस महीने पेश हुए बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मध्यम वर्ग की जेब ढीली करने के लिए टैक्स में छूट दी। 12 लाख रुपये तक कमाई करने वालों को अब इनकम टैक्स नहीं देना होगा जिससे 92 प्रतिशत वेतनभोगी लोगों को राहत मिलेगी। इसके बावजूद भारत की खपत चीन से 13 साल पीछे है। वर्ष 2023 में भारत में प्रति व्यक्ति खर्च 1,493 डॉलर था, जबकि चीन में वर्ष 2010 में ही ये 1,597 डॉलर था। माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में भी हालात ठीक नहीं हैं। माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में बढ़ता कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। दिसंबर 2024 तक इस सेक्टर के नॉन-परफॉर्मिंग असेट्स (एनपीए) 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। ये अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है और कुल लोन का 13 प्रतिशत है। अमीर-गरीब के बीच की खाई भारत में कभी छिपी नहीं रही है। यह खाई और चौड़ी हो गई है। माइक्रोफाइनेंस का मतलब है गरीब परिवारों को बिना गारंटी के लोन देना। इन परिवारों की सालाना कमाई 3 लाख रुपये से कम होती है। ज्यादातर महिलाएं इन लोन का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन ज्यादा लोन देने की होड़ में हालात बिगड़ गए हैं। बंधन बैंक, इंडसइंड, आईडीएफसी फर्स्ट जैसे बैंकों के एनपीए बढ़ गए हैं। बंधन बैंक के 56,120 करोड़ रुपये के लोन में से 7.3 प्रतिशत एनपीए हो चुके हैं। एनपीए वो कर्ज है जिसकी कोई भी किश्त 180 दिनों तक चुकाने में लेनदार असफल हो जाता

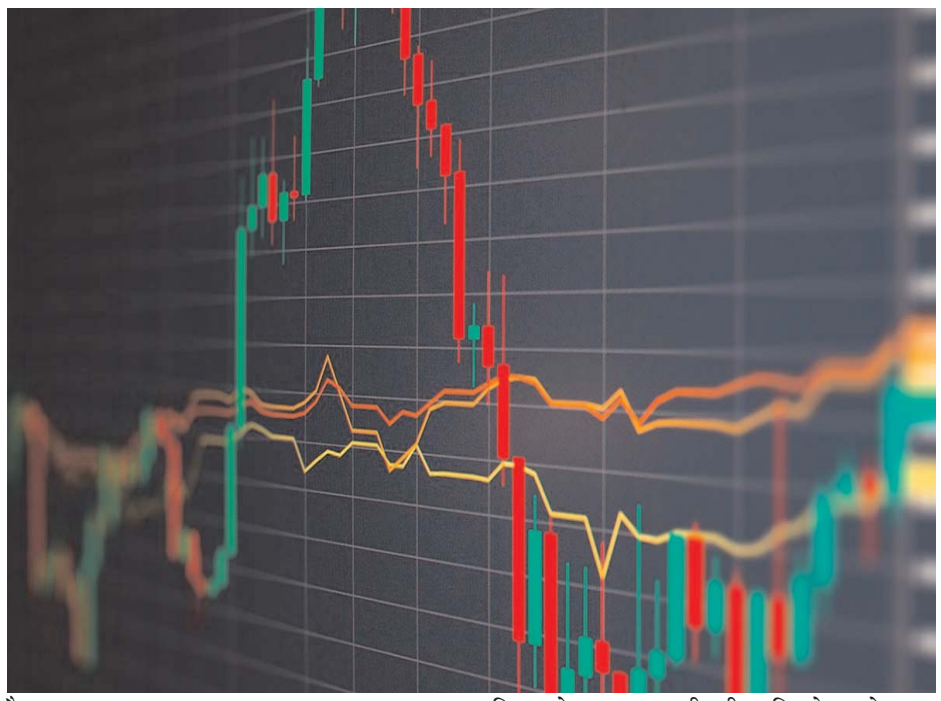

है।

इसके बाद बैंकों को इस तरह के लोन को एनपीए में डालना होता है। हालांकि इस लोन की वसूली की कोशिश जारी रहती है और कई बार ये पूरा या आंशिक तौर पर वापस मिल जाता है। आंकड़ों के मुताबिक 91 से 180 दिन का बकाया लोन कुल आउटस्टैंडिंग का 3.3 फीसदी है, जबकि 180 दिन से ज्यादा बकाया लोन 9.7 प्रतिशत है। माइक्रोफाइनेंस को लेकर अब संस्थान भी सतर्कता बरत रहे हैं। क्योंकि उन्हें एनपीए अभी और बढने की आशंका है। भारतीय रिजर्व बैंक ने लोन पर रिस्क वेट घटाया इसी बीच बिजनेस लोन पर जोखिम वेट 125 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत कर दिया है, जिससे बैंकों को राहत मिलेगी। छोटे बैंकों को हो रहे नुकसान को देखते हुए इस नियम में बदलाव से इन्हें फायदा मिल सकता है। देश में बढ़ती आर्थिक असमानता की तरफ पूर्व में चेतावनी मिल चुकी है। 12 अप्रैल 2024 को पेरिस स्थित शोध संगठन वर्ल्ड इनइक्वेलिटी लैब की ओर जारी एक शोधपत्र में बताया गया था कि देश के शीर्ष एक फीसद तबके की आमदनी और संपत्ति में हिस्सेदारी अपनी ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गई है और यह दुनिया में सबसे ज्यादा है। शोधपत्र के निष्कर्षों में कहा गया है कि साल 2023 तक सबसे अमीर एक फीसद भारतीयों के पास देश की आय का 22.6 फीसद और संपत्ति का 40 फीसद हिस्सा था। इनकम ऐंड वेल्थ इनइक्वेलिटी इन इंडिया, 1922-2023 द राइज ऑफ बिल्यनेर राज शीर्षक वाले शोधपत्र के अनुसार आजादी के बाद से 1980 के दशक की शुरुआत तक गैर-बराबरी में कमी आई थी लेकिन इसके बाद इसमें बढ़ोतरी शुरू हो गई और 2000 के दशक की शुरुआत में यह बहुत तेज गति से बढ़ी। देश के शीर्ष एक फीसद लोगों ने 2022-23 में औसतन 53 लाख रुपए कमाए, जो औसत भारतीय की आय से 23 गुना अधिक है जिसने 2.3 लाख रुपए की आय सृजित की।

देश के निचले पायदान के 50 फीसद और बीच के 40 फीसद लोगों की औसत आय क्रमश 71, 000 रु. (राष्ट्रीय औसत का 0.3 फीसद) और 1,65,000 रु. (राष्ट्रीय औसत का 0.7 फीसद) रही सबसे अमीर 9,223 लोगों (9.2 करोड़ वयस्क भारतीयों में से) ने औसतन 48 करोड़ रुपए कमाए (औसत भारतीय आय से 2,069 गुना)। भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद निजी उद्यम में वृद्धि और पूंजी बाजार की वृद्धि ने शीर्ष के कुछ ही लोगों के हाथों में संपत्ति का सिमटना बढ़ाया है। उदारीकरण के बाद से सेवा की अगुआई में हुई आर्थिक वृद्धि के भी असमानताकारी असर हुए। इस पूरे हालात से साफ है कि भारत की खपत ग्रोथ संतुलित नहीं है। एक तरफ जहां अमीर और अमीर हो रहे हैं, वहीं गरीब और गरीब जिसके लिए आने वाले समय में सरकार को बड़े कदम उठाने होंगे जिससे आर्थिक असमानता कम हो सके।

पटाखा दुकान में आग, 5 की मौतें

मरने वालों में 2 बच्चे भी, झारखंड बॉर्डर के पास हादसा, पटाखे फटने की आवाज गूंजी

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे झारखंड के गोदरमाना बाजार में सोमवार को एक पटाखा दुकान में भीषण आग लग गई। हादसे में दो बच्चे समेत 5 लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। मरने वाले दोनों सगे भाई रामानुजगंज में निजी स्कूल में पढ़ते थे। जानकारी के मुताबिक, रामानुजगंज से सटे गोदरमाना में सोमवार सुबह करीब 11 बजे पटाखा दुकान में भीषण आग लग गई। तब अंदर मौजूद लोग बगल के कमरे में छिप गए। आग बढ़ी, तो पटाखा दुकान से निकला धुआं उस कमरे में भी भर गया।

वेंटिलेशन नहीं होना मौत की वजह बना: कमरे में वेंटिलेशन नहीं होने के कारण पांचों बेहोश हो गए। आग पर काबू पाने के बाद पांचों को इलाज के लिए छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज सीएचसी लाया गया, यहां जांच के बाद पांचों को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना झारखंड के रंका थाना इलाके की है।

चारों तरफ बम-पटाखा फटने की आवाज गूंजने लगी: फरातफरी का माहौल बन गया। आसपास के सभी लोग जान बचाकर भागने लगे। चारों तरफ बम-पटाखा फटने की आवाज गूंजने लगी। देखते ही देखते आग इतनी भयावह हो गई कि दुकान के पास खड़ी एक बाइक भी उसकी चपेट में आ गई।

फायर ब्रिगेड ने पाया आग पर काबू: स्थानीय लोगों ने पहले खुद आग पर काबू पाने की कोशिश की, जब आग नहीं बुझ सकी, तो फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया है।

पेड़ से टकराई बाइक, 2 लोगों की मौत

एक की हालत गंभीर, रायगढ़ में मेला देखकर घर लौट रहे थे तीनों युवक

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में बाइक सवार युवक पेड़ से टकरा कर दूर फेंका गए। हादसे में 2 युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। रात भर में तीनों घटना स्थल पर ही पड़े रहे। सुबह राहगीरों ने देखकर तमनार पुलिस को सूचना दी। घटना तमनार थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, मरने वालों की पहचान बिजना गांव निवासी आकाश चौहान (19) और चूड़ामणि मांझी (26) के रूप में हुई है। जिनके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं, घायल सुधम चौहान का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मेला देखकर घर लौट रहे थे तीनों: रविवार की रात तीनों युवक बाइक पर सवार होकर मेला देखने रावनगुड़ा गए थे। वापस घर लौटते समय टांगरघाट बिजना रोड के पास उनकी बाइक एक पेड़ से टकरा गई। जिससे तीनों बाइक सवार दूर फेंका गए। आकाश और चूड़ामणि की मौत हो गई।

सुधम की हालत गंभीर, जांच में जुटी पुलिस: राहगीरों की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम और घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है। तमनार थाना प्रभारी आशीर्वाद राहटगांवकर ने बताया कि, फिलहाल मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है।

एक घंटे तक सड़क पर तड़पता रहा

भारी वाहन की टक्कर से युवक का पैर टूटा, एम्बुलेंस नहीं पहुंची, पुलिस ने भेजा अस्पताल

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। कोरबा में सीएसईबी चौकी क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। एक भारी वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक का पैर टूट गया और सिर और हाथ में गंभीर चोटें आईं।

घटना में घायल रमेश कुमार पथरीपारा का रहने वाला है। वह एक निजी कंपनी में काम करता है। देर रात काम से घर लौटते समय यह हादसा हुआ। टक्कर मारने के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

प्रत्यक्षदर्शी वीरा सिंह के अनुसार, घायल युवक करीब एक घंटे तक सड़क पर पड़ा रहा। उसकी हालत इतनी खराब थी कि उसे बाइक पर ले जाना संभव नहीं था। राहगीरों ने कई बार 108 और 112 को फोन किया, लेकिन कोई भी एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंची।

एम्बुलेंस की लापरवाही से घायल हुआ परेशान: स्थानीय लोगों ने सीएसईबी चौकी पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पहले यातायात बहाल किया। फिर सीएसईबी से एम्बुलेंस मंगवाकर घायल को अस्पताल भेजा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय पर युवक को अस्पताल नहीं पहुंचाया जाता तो उसकी जान भी जा सकती थी। उनका आरोप है कि सरकारी एम्बुलेंस सेवा 108 और आपातकालीन सेवा 112 की लापरवाही के कारण घायल को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

नशीली सिरप के साथ दो गिरफ्तार

झारखंड से नशीली सिरप लाकर बेच रहा था युवक, मेडिकल स्टोर संचालक ने भेजा था प्रतिबंधित सिरप

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर में पुलिस ने नशीली कफ सिरप के साथ नाबालिग समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि झारखंड के मेडिकल व्यवसायी ने दिया था। उससे पूछताछ के आधार पर पुलिस इस कारोबार से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है।

सरकंडा टीआई निलेश पांडेय बताया कि रविवार को सूचना मिली उर्जा पार्क के पास दो लोग नशीली कफ सिरप लेकर ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। खबर मिलते ही पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर मुनी बाबा गली सरकंडा निवासी अथर्व सौम्य सिंह (23) और एक नाबालिग को पकड़ लिया। उनके पास बैग में 55 शीशी प्रतिबंधित कफ सिरप मिला। इसे जब्त कर दोनों को थाने लाया गया।

झारखंड के देवघर से लाए थे सिरप: पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि झारखंड स्थित देवघर के आश्रम ने मेडिकल स्टोर संचालक ने उन्हें प्रतिबंधित सिरप सरकंडा निवासी तनु मेश्राम उर्फ भांचा को देने के लिए दिया है। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, अथर्व को भी गिरफ्तार कर लिया है।

सिरप पकड़े जाने की खबर मिलते ही भागा तस्कर: इधर सिरप की जब्त और सहयोगियों के गिरफ्तार होने की जानकारी मिलते ही आरोपी तनु मेश्राम भाग निकला। पुलिस ने उसके ठिकानों में दबिश दी। लेकिन, वो नहीं मिला। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

16 किलो गांजा के साथ पकड़ाई महिला: तिफरा के यादव नगर में रहने वाली महिला को सिरगिट्टी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सिरगिट्टी पुलिस को सूचना मिली तिफरा के यादव नगर में एक महिला पानी टंकी के पास गांजा बेचने के लिए गांजा बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रही है। इस पर पुलिस की टीम ने मौके पर घेराबंदी कर महिला को हिरासत में ले लिया। उसके पास एक बोरी में 16 किलो गांजा मिला। इसे जब्त कर महिला को थाने लाया गया। महिला के खिलाफ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

8 लाख के लिए मामा ने भांजे को पीटा

ढाबा संचालक, मैनेजर और कर्मचारियों की पिटाई, तलवार-फरसा लेकर पहुंचे थे आरोपी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायपुर में ढाबा संचालक से मारपीट का वीडियो सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि धारदार तलवार और डंडों के साथ 5 लोग ढाबे में घुसे। इसके बाद संचालक और कर्मचारियों को पीटने लगे।

पूरा मामला रायपुर के उरला थाने क्षेत्र के न्यू पंजाब ढाबा का है। यहां शनिवार की रात 8 लाख के लेन-देन में मामा ने ही ढाबे के मालिक भांजे गुरुजीत सिंह, मैनेजर और कर्मचारियों की पिटाई कर दी। पुलिस ने आरोपी मामा समेत 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मामा-भांजे के बीच 8 लाख के लेनदेन का मामला: उरला थाने से मिली जानकारी के मुताबिक मारपीट करने वाला आरोपी जगीर सिंह ढाबा संचालक का मामा है। मामा जगीर ने लोन करवा कर ट्रक दिलवाया था, लेकिन भांजे ने किस्त नहीं पटाई। इस वजह से आरोपी मामा को 8 लाख का नुकसान हुआ था।

शनिवार की रात आरोपी मामा अपने 4 साथियों के साथ ढाबे पहुंचा। आते ही आरोपियों ने ढाबे में मौजूद लोगों पर फरसा, तलवार, गंडासे और डंडे से हमला कर दिया। इस दौरान मैनेजर जसपाल सिंह, ढाबा संचालक भांजा और कर्मचारियों को गंभीर चोट आई है।

ढाबे छोड़कर भागे तब बची जान: ढाबे के मैनेजर ने लिखित शिकायत में बताया कि 8 मार्च की शाम 6 बजे से वह ढाबे में था। साथ में गुरजीत और कर्मचारी विनोद सोनी, जगदीश ,प्रवेश सभी थे। तभी रात 2 बजे गुरजीत ढाबे के पीछे एक कमरे में सोने के लिए चला गया।

तलवार और डंडे से पीटने लगे: करीब रात 2.20 ढाबे के सामने तरफ से जगीर उर्फ शब्बा और अपने साथियों के साथ आया। फिर तलवार और डंडे से पीटने लगे। मैनेजर ने बताया कि जब वह जोर-जोर से चिल्ला रहा था, तभी ढाबा संचालक गुरुजीत सिंह और बाकी स्टाफ बाहर निकले।

उन्हें भी आरोपी डंडे और तलवार से मारने लगे। डर के कारण जान बचाने के लिए सभी ढाबा छोड़कर भागे तब जान बची। आरोपी जगीर उर्फ शब्बा चिचोला राजनांदगांव का रहने वाला है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। वहीं 3 आरोपियों की तलाश जारी है।

ओवरलोडिंग के कारण धान से भरा ट्रक पलटा

दुर्ग के ग्रीन चौक पर लगा जाम, बोरों के नीचे दबी कार और ई-रिक्शा,पुलिस ने कराया क्लियर

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग (एजेंसी)। दुर्ग जिले के ग्रीन चौक पर रविवार शाम को धान के बोरों से भरा ट्रक पलट गया। इससे सड़क पर धान के बोरे बिखर गए। कुछ बोरे पास में खड़ी एक कार और ई-रिक्शा पर गिर गए। ट्रैफिक पुलिस के जवानों को कई घंटों की मशक्कत के बाद चौक खाली कराया।

जानकारी के मुताबिक, ट्रक सीजी 04 पत्रिका श्च 0623 धान खरीदी केंद्र से धान बोरे लोड कर एफसीआई के गोदाम की तरफ जा रहा था। रविवार देर रात लगभग 6.30 बजे के करीब जैसे ही वो ग्रीन चौक के पास पहुंचा। टर्निंग में उसका संतुलन बिगड़ गया। इससे ट्रक बीच चौक पलट गया।

ट्रक के पलटने से उस पर लोड सभी धान के कट्टे पूरे रोड में बिखर गए। ट्रक के बगल से खड़ी एक कार और ई-रिक्शा के ऊपर धान के बोरे गिरने से वो उसमें दब गए। इस हादसे में गनीमत यह रही कि किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

सूचना मिलते ही पहुंची मोहन नगर पुलिस: यह दुर्घटना मोहन नगर थाना क्षेत्र के ग्रीन चौक में हुई। जैसे ही ट्रक पलटने की सूचना मोहन नगर पुलिस को ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। ट्रैफिक पुलिस के जवान पहुंच गए। उन्होंने चौक पर लगे जाम को क्लियर कराया। इसके बाद क्रेन को बुलाया गया और कई घंटे की मशक्कत के बाद चौराहे पर लग रहे जाम को क्लियर कराया गया।

ओवर लोड और अधिक हाइट की वजह से पलटा ट्रक: घटना स्थल पर मौजूद पुलिसवालों ने कहा कि, ट्रक में क्षमता से अधिक धान के बोरे लोड थे। इसके साथ ही धान के बोरों को ट्रक की बॉडी से अधिक ऊंचाई तक रखकर रस्सी से बांधा गया था। इसलिए मोड़ पर संतुलन बिगड़ने से ट्रक चौक के बीच में पलट गया।

घर में घुसकर महिला से रेप

वीडियो बनाकर वायरल करने की दी धमकी, गोल्ड चेन और कैश छीना, अब गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के आरंग में एक महिला के घर में जबरन घुसकर रेप किया गया। आरोपी ने महिला का अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी भी दी। इसके बाद वो घर में रखे गोल्ड चेन और कैश लेकर भाग गया। अब पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरंग थाना प्रभारी से मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित महिला ने 2 मार्च को थाने में शिकायत दी थी। जिसमें उन्होंने बताया कि, रात 8:30 बजे 25 साल के करीब एक व्यक्ति घर में जबरन घुसकर दुष्कर्म किया। उसने चेहरे में नकाब पहन रखा था। आरोपी ने महिला के दोनों हाथ और पैर को बिस्तर में बांध दिया। फिर उसने मोबाइल से अश्लील वीडियो बना लिया।

दोस्तों से की थी चर्चा: इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जानकारी जुटाना शुरू की। तब पुलिस को एक जानकारी मिली कि पास में ही एरिया के रहने वाले लंकेश कुमार साहू ने कोई अपराध किया है। जिसकी चर्चा उसने अपने दोस्तों के बीच में की थी। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ किया तो उसने गुनाह कबूल कर लिया। पुलिस आरोपी से से मोबाइल बरामद कर लिया है। उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

डॉक्टरों का विरोध, सिविल सर्जन पर नर्स से बदसलूकी का आरोप

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा एजेंसी। जांजगीर-चांपा जिला अस्पताल में सिविल सर्जन डॉ. दीपक जायसवाल के खिलाफ डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। छत्तीसगढ़ डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. इकबाल हुसैन ने 11 मार्च से ओपीडी में इलाज बंद करने की घोषणा की है।

सिविल सर्जन पर सीनियर स्टाफ नर्स के साथ अभद्र व्यवहार और पद का दुरुपयोग करने का आरोप है। डॉक्टरों और नर्सों ने 5 मार्च को कलेक्टर से शिकायत की। कलेक्टर ने तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया।

जांच के दौरान आरोप लगा कि सिविल सर्जन नर्सों को धमकी दे रहे हैं। वे स्वास्थ्य मंत्री और विभागीय अधिकारियों तक अपनी पहुंच होने का दावा कर विरोध करने वालों को धमकी दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना से लोगों को मिल रहा है लाभ

मोबाईल मेडिकल यूनिट बस से लोगों को मिल रही घर पहुंच सेवा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जरूरतमंद व गरीब तबके के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने राज्य सरकार के द्वारा मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना की शुरुआत की गई है। इसके लिए नगर पालिक निगम चिरमिरी क्षेत्र के पूरे 40 वार्डों के लिए 02 मोबाईल मेडिकल यूनिट बस संचालित है। क्षेत्र के लोगों के द्वार तक पहुंचने वाली मोबाईल मेडिकल यूनिट वाली बसें स्वयं में एक अस्पताल है।

जिसमें मेडिकल स्टाफ, मेडिकल उपकरण सहित मरीजों के लिए आवश्यक सुविधाएं व निःशुल्क दवा उपलब्ध है। इसी क्रम में सोमवार को नगर पालिक निगम चिरमिरी के अंतर्गत वार्ड क्रमांक- 01 पोड़ी, एवं वार्ड क्रमांक- 38 डोमनहिल फुटबॉल ग्राउण्ड के पीछे कैंप लगाया गया। पोड़ी में 30 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण व 10 मरीजों का लैब टेस्ट किया गया, वहीं सभी जांच कराने वाले मरीजों को निःशुल्क दवा का भी वितरण किया गया। आपको बता दे कि छत्तीसगढ़ सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार बढ़ोत्तरी कर रही है, जिसके लिए आमजनों को स्वास्थ्य की जांच हेतु घर पहुंच सेवा मोबाईल मेडिकल यूनिट बस की शुरूआत की गई है। जिसमें 42 प्रकार के स्वास्थ्य की जांच की जाती है।

जिसमें मुख्य रूप से सी.पी.सी. मशीन से जांच, एल.एफ.टी., थायराइड, विटामिन बी-12, विटामिन डी-03, यूरिक एसिड जैसे अन्य कई प्रकार के जांच कर लोगों का घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधाएं सरकार के द्वारा दिया जा रहा है। इस दौरान डॉ. किरण किशोर, डॉ. सुमन पाण्डेय, ए.एन.एम. सुनिता कारफारमा, लैब टेक्नीशियन सुशील यादव, फार्मासिस्ट नैन्सी, सुभाष, रोशन सिंह, लैब टेक्नीशियन अलमा एक्का व अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

धर्मांतरण के आरोप में रायपुर-बिलासपुर में बवाल

हिंदू संगठन के कार्यकर्ता और पुलिस के बीच झड़प, कहा- विरोध करने पर टीआई ने किया दुर्व्यवहार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायपुर और बिलासपुर में रविवार को धर्मांतरण के आरोप में जमकर बवाल हुआ है। न्यायधानी के कोनी में हिंदूवादी संगठनों ने धर्मसभा की आड़ में भोले-भाले लोगों से धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाया। विरोध करने पहुंचे कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई। जिसका वीडियो भी सामने आया है।

हिंदूवादी संगठन के नेताओं ने कोनी टीआई पर दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि, इलाके में पिछले तीन महीने से धर्मांतरण का खेल चल रहा है। जिसका विरोध करने पर टीआई उनका बचाव करने लगे। वहीं, रायपुर के टाटीबंध में धर्म परिवर्तन के आरोप में बजरंग दल ने जमकर तोड़फोड़ और हंगामा किया। बजरंग दल का आरोप है कि, अनुकम्पा नगर के एक घर में करीब 100 से ज्यादा लोग जमा थे। जिनका धर्मांतरण कराया जा रहा था।

बिलासपुर में एनम चर्च के बैनर तले धर्मसभा का आयोजन: दरअसल, बिलासपुर के रमतला गांव में रविवार को एनम चर्च के बैनर तले धर्मसभा का आयोजन किया गया था। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को बुलाया गया था। 500 से अधिक लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई थी। इसके लिए टेंट और कुर्सियां लगाई गई थी।

इसकी जानकारी मिलते ही हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता गांव पहुंच गए। उन्होंने धर्मांतरण कराने का आरोप लगाते हुए जमकर बवाल मचाया। उनका आरोप है कि इस कार्यक्रम में स्क्रीन पर वीडियो दिखाकर लोगों का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था।

हिंदूवादी संगठन और पुलिस के बीच हुई झड़प: हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता राम सिंह ने कहा कि, 25 दिसंबर के बाद से धर्मांतरण का खेल चल रहा है। उन्होंने जब कार्यक्रम का विरोध किया, तब टीआई नवीन देवांगन ने धर्म सभा करने वालों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि तुम कौन होते हो धर्मांतरण रोकने वाले। लेकिन, हम विरोध करते हैं और करते रहेंगे।

मंत्रालय के शिक्षा विभाग का कर्मचारी करा रहा था धर्म सभा-हिंदू संगठन: सर्व हिंदू समाज के राम सिंह ठाकुर ने आरोप लगाते हुए कहा कि, धर्मांतरण कराने वालों का कोई चेहरा नहीं होता, ये मिशनरी वाले होते हैं। उन्हें फंडिंग मिलती है। जानकारी मिली कि मंत्रालय में बैठे शिक्षा विभाग का एक शख्स शामिल है। एक सरकारी पद पर बैठा हुआ व्यक्ति धर्मांतरण का खेल कर रहा है। पुलिस पिछले दो तीन महीने से रोज जाती है। लेकिन, कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

टीआई बोले- धर्मांतरण का आरोप गलत: कोनी थाना प्रभारी नवीन देवांगन ने कहा कि, ग्राम रमतला में एक विशेष समुदाय ने सभा का आयोजन किया था। जिसकी सूचना मिली थी। हिंदूवादी संगठनों के विरोध की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान पुलिस ने समुदाय के लोगों से कार्यक्रम की अनुमति के संबंध में दस्तावेज पेश करने कहा।

लेकिन, कार्यक्रम की कोई अनुमति नहीं ली गई थी। जिस पर उनके खिलाफ विधिवत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने ये भी कहा कि, हिंदू संगठन और पुलिस के बीच ऐसी कोई झड़प नहीं हुई है। उनका कहना कि धर्मांतरण नहीं हो रहा था। बल्कि एक विशेष समुदाय की सभा का आयोजन किया जा रहा था।

रायपुर में धर्मांतरण को लेकर हंगामा-तोड़फोड़: रायपुर में रविवार को धर्मांतरण को लेकर जमकर बवाल हुआ। टाटीबंध में धर्म परिवर्तन के आरोप में बजरंग दल ने जमकर तोड़फोड़ और हंगामा किया। बजरंग दल का आरोप है कि, एक घर में करीब 100 से ज्यादा लोग जमा थे। जिनका धर्मांतरण कराया जा रहा था।

इसकी सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में बजरंग दल कार्यकर्ता मौके पर पहुंचकर इसका विरोध जताया। इसी दौरान विवाद हो गया। पुलिस ने हंगामे की सूचना पर पहुंचकर विवाद को शांत कराया। बजरंग दल ने पुलिस से सख्त एक्शन लेने की मांग की है। घटना आमानाका थाना इलाके के टाटीबंध स्थित अनुकम्पा नगर की है।

एअर इंडिया की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई से न्यूयॉर्क जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट द्ध-119 को सोमवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली। 8 घंटे 37 मिनट की उड़ान के बाद फ्लाइट को मुंबई डायवर्ट कर दिया गया। फ्लाइट में 19 क्रू मेंबर्स समेत 322 यात्री सवार थे। एअर इंडिया ने बताया कि फ्लाइट के वॉशरूम में एक नोट मिला, जिसमें बम की धमकी दी गई थी। सुरक्षा प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए रास्ते से ही विमान को वापस मुंबई लाने का फैसला किया गया। विमान 10ः25 बजे मुंबई पहुंचा। एअर इंडिया की फ्लाइट द्ध119 मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 से रात 1ः43 बजे न्यूयॉर्क के लिए उड़ान भरी थी। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां जांच में जुटी हुई हैं। यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। फ्लाइट 11 मार्च सुबह 5 बजे के लिए रिशेड्यूल किया गया एयरलाइन ने कहा कि फ्लाइट को अब 11 मार्च सुबह 5 बजे के लिए रिशेड्यूल किया गया है। यात्रियों को होटल आवास, भोजन और अन्य आवश्यक सहायता दी गई है। हमारी टीम जमीनी स्तर पर लगातार काम कर रही है ताकि यात्रियों को कोई असुविधा न हो। हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता यात्रियों और क्रू की सुरक्षा है।

गोल्ड स्मगलिंग केस-कन्नड़ अभिनेत्री को भाजपा सरकार ने जमीन दी

बेंगलुरु (एजेंसी)। गोल्ड स्मगलिंग केस में गिरफ्तार कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव उर्फ हर्षवर्धिनी रान्या स्टील प्लांट लगाने वाली थीं। कर्नाटक सरकार ने उन्हें फरवरी 2023 में 12 एकड़ जमीन भी अलॉट कर दी थी। कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड ने बताया कि रान्या की फर्म क्षीरोडा इंडिया को तुमकुरु जिले के सिरा औद्योगिक क्षेत्र में जमीन दी गई थी। रान्या की फर्म को 12 एकड़ जमीन दी गई, जिसमें वह स्टील प्लांट लगाने वाली थीं। इसके लिए वह 138 करोड़ रुपए निवेश करने वाली थीं। इससे 160 लोगों को रोजगार मिलता। मामले को राजनीतिक मोड़ लेता देख कर्नाटक के उद्योग मंत्री एमबी पाटिल के ऑफिस से रान्या के जमीन आवंटन से जुड़ी जानकारी शेयर की गई है। इसमें बताया गया कि भाजपा सरकार में रान्या को जमीन दी गई। दो महीने बाद राज्य में कांग्रेस की सरकार बन गई। 14.2 किलो सोने के साथ गिरफ्तार हुई रान्या कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव को 3 मार्च को 14.2 किलो सोने के साथ बेंगलुरु के केंपागौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दुबई से लौटने के दौरान गिरफ्तार किया गया था। रान्या इसे अपने बेल्ट में छिपाकर लाई थीं। उन पर स्मगलिंग का केस दर्ज किया गया है।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में फिर 2 लोग लापता

जम्म (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में 2 दिन पहले 3 लोगों की लाश मिलने के बाद 2 अन्य युवक लापता हैं। दोनों जिले के राजबाग इलाके से गायब हुए हैं। दोनों जानवर चराने के लिए निकले थे, इसके बाद से ही गायब हैं। इनकी पहचान दीनू (15 साल) और रहमत अली (12 साल) के रूप में हुई है। इससे पहले 8 मार्च को जिले के बिलावर में पहाड़ियों के नजदीक 3 लापता लोगों की लाशें मिली थीं।

सावधानी और सतर्कता रखें वाहन चालक, नींद और आराम का ध्यान रखना भी जरूरी - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीधी जिले के उपनी गांव के समीप देर रात सड़क दुर्घटना में आठ श्रद्धालुओं की असामयिक मृत्यु पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 2-2 लाख रुपए, गंभीर घायलों को एक-एक लाख एवं सामान्य घायलों को 50-50 हजार रुपए की राशि स्वीकृत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि देर रात पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय नागरिकों की मदद से घायलों के इलाज का प्रबंध किया और गंभीर रूप से घायल यात्रियों को रीवा रेफर किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवार के साथ शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए भगवान महाकाल से दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजनों को इस अथाह दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की। उल्लेखनीय है कि मैहर माता के दर्शन करने जा रहे यात्री वाहन और ट्रक की रविवार को देर रात हुई भयानक टक्कर में आठ

यात्रियों की मृत्यु हो गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया में जारी संदेश के माध्यम से वाहन चालकों से वाहन सावधानी से चलाने, सड़कों पर आवश्यक सावधानी व सतर्कता रखने और अपने आराम व नींद का ध्यान रखते हुए वाहनों के संचालन की अपील की है। उन्होंने कहा कि ऐसी दुर्घटनाओं से कई परिवारों को अपूरणीय क्षति उठानी पड़ती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वाहन दुर्घटनाओं से बचने के लिए हर संभव उपाय करने के निर्देश दिए हैं।

भोपाल में प्रदर्शन के बीच कांग्रेस का मंच टूटा

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन भोपाल में किसान कांग्रेस विधानसभा का घेराव करने इकट्ठा हुई। रंगमहल चौराहे पर प्रदर्शन के बीच कांग्रेस का मंच टूट गया।

जानकारी के मुताबिक मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान समेत 10 से ज्यादा कांग्रेसी घायल हुए हैं। कांग्रेस उपाध्यक्ष राजीव सिंह, प्रवक्ता रोशनी यादव सिद्धांता अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में हैं। पूर्व विधायक रवि जोशी और शैलेंद्र पटेल स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल के ऑपरेशन थिएटर में हैं। घटना की थोड़ी देर बाद ही किसान कांग्रेस के

कार्यकर्ता आगे बढ़े। पुलिस ने वाटर कैनन से सभी को रोक लिया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, सरकार किसानों की बात सुनना नहीं चाहती। कांग्रेस किसानों के हक के लिए आवाज उठाती है तो वाटर कैनन छोड़ा जाता है, लाठीचार्ज किया जाता है। प्रदर्शन में घायल हुए कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव सिंह के एक हाथ के ऊपरी हिस्से में कंधे के पास सरिया घुसने से आर्टरी, नसें कट गई हैं। सिद्धांता हॉस्पिटल के डॉयरेक्टर डॉ. सुबोध वार्ष्णेय ने बताया कि पिछले करीब 3 घंटे से राजीव सिंह की सर्जरी चल रही है। इसमें तीन-चार घंटे और लगेंगे। हालांकि खतरे से बाहर हैं, लेकिन हाथ में बहुत गहरा घाव है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी भी प्रदर्शन में शामिल हुए। इसके बाद वे मंच टूटने से घायल हुए नेता और कार्यकर्ताओं से मिले। उन्होंने कहा कि घायलों कि हालत अब ठीक है। उन्होंने कहा, न सोयाबीन के सही दाम हैं न गेहूं के दाम हैं। ये कैसा अहंकार है, जब किसान ज्ञापन देने आते हैं तो वो भी नहीं सुनते। हमारे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार से 10 सवाल पूछे, बीजेपी की मोहन सरकार के पास इन सवालों के कोई उत्तर नहीं है।

तनिष्क शोरूम से 25 करोड़ के गहने लूटकर भागे बदमाश

आरा (एजेंसी)। बिहार में आरा के गोपाली चौक स्थित तनिष्क शोरूम से सोमवार को 6 बदमाश 25 करोड़ की ज्वेलरी लूट ले गए। बदमाशों का पीछा कर रही पुलिस ने फायरिंग की। दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी। पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

उनके पास से दो झोला ज्वेलरी बरामद की गई। 4 बदमाश बाकी ज्वेलरी लेकर भाग गए। शोरूम के स्टोर मैनेजर कुमार मृत्युंजय ने बताया, शोरूम में 50 करोड़ से ज्यादा के जेवरात थे। अपराधियों ने 25 करोड़ के गहने लूट लिए। सोमवार सुबह साढ़े 10 बजे 3 बाइक से आए 6 बदमाशों ने शोरूम के बाहर खड़े गार्ड के साथ मारपीट कर उनका हथियार भी छीन लिया। शोरूम में घुसते ही शटर अंदर से बंद करके करीब 22 मिनट तक दोनों फ्लोर पर लूटपाट की। भोजपुर के स्क्कराज ने बताया, पुलिस ने शोरूम के अंदर लूट की फोटो वॉट्सऐप ग्रुप में शेयर की थी। बड़हरा थाना पुलिस ने बबुरा छोटे पुल के पास 3 बाइक पर 6 संदिग्धों को देखा। उनके रोकने पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी फायरिंग की। इसमें 2 बदमाशों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। उनके पास से 2 पिस्टल, 10 कारतूस, 2 बड़े झोले में तनिष्क शोरूम से लूटे गए जेवरात मिले हैं। इनके नाम सारण जिले के दिघवारा निवासी विशाल गुप्ता और सोनपुर के सेमरा निवासी कुणाल कुमार हैं।

राहुल बोले- देशभर में वोटर लिस्ट पर सवाल उठ रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र का दूसरा फेज सोमवार को हंगामे के साथ शुरू हुआ। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा- देशभर में वोटर लिस्ट पर सवाल उठ रहे हैं। पूरा विपक्ष बस यही कह रहा है कि वोटर लिस्ट पर चर्चा होनी चाहिए। इससे पहले सुबह सदन शुरू होते ही लोकसभा में डीएमके सांसदों ने हंगामा किया। डीएमके सांसद नई शिक्षा नीति और ट्राय-लैंग्वेज को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। वे शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के करीब पहुंचकर नारेबाजी कर रहे थे। इसके बाद स्पीकर ने

लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी। केंद्र सरकार ने एनईपी के तहत तीन भाषाएं पढ़ाए जाने का प्रावधान किया है। इसमें स्थानीय भाषा के अलावा अंग्रेजी और हिन्दी पढ़ाना अनिवार्य किया गया है। तमिलनाडु सरकार इसका विरोध कर रही है। उसका कहना है कि हम पर हिन्दी जानबूझकर थोपी जा रही है। डीएमके सांसद इसी का विरोध कर रहे हैं। विवाद पर शिक्षा मंत्री ने कहा- डीएमके के लोग बेईमान हैं। वे तमिलनाडु के छात्रों के प्रति प्रतिबद्ध नहीं हैं। वे तमिलनाडु के छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। उनका एकमात्र काम भाषा की बाधाएं खड़ी करना है। वे राजनीति कर रहे हैं। वे अलोकतांत्रिक और असभ्य हैं। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई शिक्षा नीति और तीन भाषाओं के विवाद पर कहा- जिनके पास कोई तथ्य नहीं है, वे केवल हल्ला करके विषय को भ्रमित करना चाहते हैं।

होली मनाने घर जा रहे बिजनेसमैन समेत 5 की मौत

बस्ती (एजेंसी)। यूपी के बस्ती जिले में कार और कंटेनर की टक्कर हो गई। हादसे में बिजनेसमैन समेत कार सवार 5 लोगों की मौत हो गई। 3 गंभीर हैं। कार सवार गुजरात से होली मनाने अपने घर गोरखपुर आ रहे थे। हादसा सोमवार सुबह 7 बजे नगर थाना इलाके में हुआ। हाईवे पर अचानक कंटेनर ने लेन बदल दी। डिवाइडर न होने की वजह से सामने से आ रही कार टकरा गई। भिड़ंत इतनी भीषण थी कि कार सवार 8 में से 5 की मौके पर मौत हो गई। एसयूवी गाड़ी हेक्सा का अगला हिस्सा बुरी तरह पिचक गया। शव सीट से चिपक गए। टक्कर के बाद चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घायलों को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन,गाड़ी इस तरह से पिचक गई थी, वह बाहर नहीं निकाल पाए। मौके पर पहुंची पुलिस ने रॉड से गाड़ी तोड़कर किसी तरह से घायल और शवों को बाहर निकाला। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि कार गुजरात के नंबर पर रजिस्टर्ड है। मालिक प्रेमचंद्र पासवान खुद कार चला रहे थे।

डिजिटल अरेस्ट कर 44.50 लाख रुपये ठगने के आरोप में 4 लोग गिरफ्तार

नड़े दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो अधिकारी बनकर 'डिजिटल अरेस्ट' के जरिए एक व्यक्ति से 44.50 लाख रुपये ठगने के आरोप में चार साइबर जालसाजों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। 'डिजिटल अरेस्ट' एक साइबर अपराध होता है, जिसमें जालसाज स्वयं को कानून प्रवर्तन अधिकारी बताकर लोगों पर कानून तोड़ने का झूठा आरोप लगाते हैं। उन्हें पैसे देने या व्यक्तिगत जानकारी का खुलासा करने के लिए मजबूर करते हैं। यह घोटाला तब सामने आया जब मयूर विहार फेज-1 के रहने वाले वीरेंद्र कुमार इंदौरा ने 29 जनवरी को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) अभिषेक धानिया ने एक बयान में कहा, 'इंदौरा ने अपनी शिकायत में कहा कि उन्हें एक व्यक्ति ने स्वयं को

सीबीआई अधिकारी बताकर फोन किया और उन पर आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का झूठा आरोप लगाया। जालसाजों ने कानूनी कार्रवाई करने की धमकी देते हुए उन्हें गिरफ्तारी से बचने के लिए 44.50 लाख रुपये हस्तांतरित करने के लिए मजबूर किया।' पुलिस उपायुक्त ने बताया कि जांच के दौरान बैंक खातों की फोरेंसिक लेखा परीक्षा से पता चला कि जयपुर के रहने वाले दिनेश सिंघाड़िया के नाम पर एक निजी बैंक में 38 लाख रुपये हस्तांतरित किए गए थे। डीसीपी ने बताया कि बाद में बैंक से चेक के जरिए रकम निकाली गई। पुलिस के एक दल ने जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए 5 मार्च को जयपुर में छापेमारी कर दिनेश सिंघाड़िया को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान सिंघाड़िया ने घोटाले में 5 अन्य लोगों की संलिप्तता का खुलासा किया। उसके खुलासे के आधार पर धोखाधड़ी करने के लिए इस्तेमाल किया गया बैंक खाता खोलने में मदद करने के आरोप में प्रशांत वर्मा नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। डीसीपी ने कहा कि बाद में जांच के दौरान महेश नेहरा नाम के व्यक्ति से जुड़ेएक अन्य व्यक्ति प्रकाश चौधरी को गिरफ्तार किया गया।

जम्मू-कश्मीर में अगले 5 दिन बर्फबारी-बारिश की संभावना

श्रीनगर/नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बारिश-बर्फबारी के बीच अब गर्मी भी धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। जम्मू-कश्मीर में सोमवार शाम से नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। इसके असर से 16 मार्च तक बर्फबारी-बारिश की संभावना है। राजस्थान में दिन का तापमान 40 सेल्सियस पहुंच गया है। कुछ जिलों में 35 सेल्सियस या उससे ज्यादा रहा। दिन के साथ ही रात में भी गर्मी बढ़ने लगी है। होली के बाद इसमें 1-2 सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। मध्यप्रदेश में भी रविवार को दिन का पारा 35 सेल्सियस पार रहा। रतलाम सबसे गर्म 37एष्ट रहा। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले समय में दिन और रात के तापमान में धीरे-धीरे और बढ़ोतरी होगी। ओडिशा के बौध में रविवार को दिन का तापमान 38.5एष्ट दर्ज किया गया। सुंदरगढ़, झारसुगुड़ा, संबलपुर, सोनपुर जिलों में अगले 4-5 दिन में तापमान 40 सेल्सियस या इससे ज्यादा पहुंचने की संभावना है। ओडिशा सरकार ने बच्चों-बुजुर्गों और पशुओं को लेकर एडवाइजरी जारी की है। लोगों को सुबह 11 से दोपहर 3.30 बजे तक घरों में रहने को कहा गया है। पशुओं को भी छांव में रखने का निर्देश दिया गया है। इधर दिल्ली में दिन का तापमान 32.8 सेल्सियस पहुंचा। इसमें 4.4 सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई। मिनिमम टेम्प्रेचर 13.5 सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को धुंध छाने की संभावना है। मध्यप्रदेश में दिन का तापमान 37 डिग्री के पार पहुंच गया है। रविवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन-ग्वालियर संभाग में दिन का तापमान 1 से 4 डिग्री बढ़ गया। रतलाम सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री रहा। नर्मदापुरम, मंडला-शिवपुरी में भी पारा उछाला है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिन-रात के तापमान में और बढ़ोतरी होगी।

पंजाब में किसानों ने किया मंत्री-विधायक के घरों का घेराव

चंडीगढ़ (एजेंसी)। 5 मार्च को चंडीगढ़ कूच करने में विफल रहे संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के बैनर तले किसान सोमवार को पूरे प्रदेश में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के विधायकों और मंत्रियों के घरों के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके लिए किसानों की ओर से पहले ही रणनीति तैयार कर ली गई थी। किसानों द्वारा यह विरोध प्रदर्शन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जाना है। जालंधर में मंत्री मोहिंदर भगत के घर के बाहर सुबह 11 बजे एसकेएम जत्थेबंदी से जुड़े किसान नेता धरना प्रदर्शन करने के लिए पहुंच गए थे। मोहाली में विधायक कुलवंत सिंह के घर के बाहर भी किसान पहुंचे। हालांकि पुलिस की तरफ से सुरक्षा पहरा मजबूत किया गया है। इसके लिए लुधियाना में हुई बैठक में फैसला लिया गया था। दूसरी तरफ संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक व किसान मजदूर मोर्चा के नेता सरवन सिंह पंधेर का

कहना है आज कि शंभू मोर्चे को चलते हुए आज 390 दिन हो गए हैं। आज से संसद के बजट सेशन का दूसरा सत्र शुरू हो रहा है। हम चाहेंगे कि देश कि सत्तापक्ष व विपक्ष किसान मजूदरों की रूस्क के ऊपर चर्चा करे।

इस पर कानून बनना चाहिए। साथ ही देश के किसानों को कर्ज मुक्त किया जाए। हमारी अन्य मांगों पर ध्यान दिया जाए। वहीं, शंभू बॉर्डर पर बनाई गई दीवार पर भी चर्चा होनी चाहिए, क्योंकि इसने पंजाब-हरियाणा की आर्थिकता को नुकसान पहुंचाया है। पंजाब-हरियाणा के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर एक साल से चल रहे आंदोलन में एसकेएम शामिल होगा या नहीं, इस पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। चंडीगढ़ में केंद्र सरकार के साथ एक साल में छह दौर की बातचीत हो चुकी है। 19 मार्च को चंडीगढ़ में फिर से बैठक तय है। वहीं, खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की भूख हड़ताल 105वें दिन में प्रवेश कर गई है। किसानों ने फैसला लिया है कि केंद्र सरकार के साथ होने वाली बैठक में दोनों मंचों के नेता हिस्सा लेंगे। संयुक्त किसान मोर्चे की तरफ से पंद्रह मार्च को चंडीगढ़ में बैठक रखी है। बैठक सेक्टर-35 स्थित किसान भवन में होगी। इस दौरान किसानों द्वारा तय किया जाएगा कि आखिर उन्होंने अब अपने संघर्ष को कैसे चलाना है। इससे पहले किसानों ने पांच मार्च को चंडीगढ़ कूच का फैसला लिया था। लेकिन तीन तारीख को सीएम भगवंत मान के साथ चंडीगढ़ में विफल रही बैठक के बाद किसानों को चार तारीख को नजरबंद व हिरासत में ले लिया था। साथ ही किसान चंडीगढ़ पहुंचने में कामयाब नहीं हो पाए थे।

भाजपा का दावा-पंजाब बोर्ड एग्जाम में आप से जुड़े सवाल

चंडीगढ (एजेंसी)। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा के राजनीति विज्ञान के प्रश्न पत्र को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि प्रश्न पत्र में आम आदमी पार्टी (आप) से संबंधित प्रश्न पूछे गए हैं, जिसके जरिए छात्रों को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। चंडीगढ़ स्थित पंजाब भाजपा मुख्यालय में भाजपा नेता विनीत जोशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा है कि इस तरह के सवाल पूछकर युवा पीढ़ी को एक राजनीतिक विचारधारा की ओर झुकाने की कोशिश की जा रही है, जो किसी भी तरह से उचित नहीं है। राज्य के शिक्षा मंत्री इस तरह के सवाल पूछकर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को खुश करने में लगे हुए हैं। जोशी ने इस विवादित प्रश्न पत्र की कॉपी मीडिया में भी शेयर की। उन्होंने कहा कि यह पेपर एक बच्चे से मंगवाया गया है। उन्होंने बताया कि हमने यह पेपर एक बच्चे से मंगवाया है। प्रश्न पत्र से रोल नंबर और क्यूआर कोड हटा दिया गया है। ताकि बच्चा यह पता न लगा सके कि पेपर कहां से आया है। उन्होंने दावा किया कि पेपर असली है। इस संबंध में जब आप प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि अभी इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

अब हॉकी खिलाड़ियों पर बरसेगा पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने अपने सातवें वार्षिक पुरस्कारों के लिए 12 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा की है। जिसके लिए आठ श्रेणियों में 32 खिलाड़ियों को नामित किया गया है। वार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम शनिवार को आयोजित किया जाएगा जिसमें 2024 सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार समारोह के प्रमुख आकर्षणों से एक प्रतिष्ठित बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार है जो वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए दिया जाएगा। ये सर्वश्रेष्ठ पुरुष और सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी को दिया जाएगा। युवा खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया जाएगा। जुगराज सिंह पुरस्कार वर्ष के उभरते हुए सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी जबकि असुंता लाकड़ा पुरस्कार वर्ष की उभरती हुई महिला खिलाड़ी को दिया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न भूमिकाओं में व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए भी पुरस्कार दिए जाएंगे। इसमें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए बलजीत सिंह पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर के लिए परगट सिंह पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के लिए अजीत पाल सिंह पुरस्कार और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फारवर्ड के लिए धनराज पिल्ले पुरस्कार शामिल हैं। इस साल के पुरस्कार उसी दिन दिए जाएंगे जिस दिन 50 साल पहले 1975 में भारतीय पुरुष टीम ने विश्व कप जीता था जो देश का अब तक का पहला और एकमात्र वर्ल्ड खिताब है।

रविंद्र जडेजा ने रिटायरमेंट को लेकर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने रविवार को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पर कब्जा जमा लिया है। वहीं भारत की इस जीत के बाद रोहित, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे सीनियर खिलाड़ियों के रिटायरमेंट को लेकर अटकलें लगना शुरू हो गईं। रोहित और विराट ने रविवार रात को अटकलों पर विराम लगा दिया। वहीं 36 वर्षीय जडेजा के फ्यूचर प्लान पर अफवाहों का सिलसिला जारी रहा। हालांकि, भारत के स्टार ऑलराउंडर जडेजा अब रिटायरमेंट की अटकलों को लेकर चुप्पी तोड़ी है। जडेजा ने कहा कि उनका फिलहाल संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं हैं। उन्होंने सोमवार को इंस्टा स्टोरी शेयर करते हुए लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की गुजारिश की। जडेजा ने लिखा कि, कोई भी अनावश्यक अफवाह ना फैलाएं, शुक्रिया। बता दें कि जडेजा 80 टेस्ट, 204 वनडे और 74 टी20 इंटरनेशनल खेल चुके हैं। उन्होंने पिछले साल टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लिया ता। जडेजा ने इंडिया वर्सेस न्यूजीलैंड फाइनल में किफायती गेंदबाजी की। उन्होंने 10 ओवर के स्पेल में महज 30 रन देकर एक विकेट चटकाया। उन्होंने टॉम लैथम को एलबीडब्ल्यू किया। टीम इंडिया के कप्तान रोहित ने अपने करियर को लेकर लगाई जा रही तमाम अटकलों को रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद खारिज करते हुए कहा कि वह कि वह अभी वनडे क्रिकेट को अलविदा कहने नहीं जा रहे।

जानें कौन है आरजे महवश युजवेंद्र चहल के साथ बढ़ी नजदीकियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया युजवेंद्र चहल कई समय से काफी चर्चा में है। उनके चर्चा में रहने का क्रिकेट नहीं बल्किन उनकी निजी जिंदगी है। पहले पत्नी धनाश्री के साथ तलाक की खबरें और अब आरजे महवश के साथ लिंकअप की खबरों के कारण वह सुर्खियों में है। दरअसल, चहल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आरजे महवश हाल ही में एक साथ देखे जाने के ही वजह से चर्चा में हैं। साल 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के दौरान दोनों की मौजूदगी ने सोशल मीडिया पर काफी हलचल मचाई। ये पहली बार नहीं है जब दोनों को एक साथ देखा गया हो, लेकिन इस बार चर्चा इसलिए ज्यादा है क्योंकि हाल ही में चहल और धनश्री का तलाक हुआ है। अलीगढ़ में जन्मी आरजे महवश ने मुस्लिम विश्वविद्याल से स्नातक किया है। इसके बाद उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली से पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई की है। महवश ने अपने करियर की शुरुआत रेडियो जॉकी के रूप में की और रेडियो मिर्ची 98.3 एफएम का हिस्सा भी रही हैं। उनकी खूबसूरत आवाज ने उन्हें जल्द ही एक लोकप्रिय आरजे बना दिया।

वनडे प्रारूप को अलविदा नहीं कह रहा, अफवाहें मत फैलाइये–रोहित शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने कैरियर को लेकर तमाम अटकलों को रविवार को चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने के बाद खारिज करते हुए कहा कि वह अभी वनडे क्रिकेट को अलविदा कहने नहीं जा रहे। आस्ट्रेलिया दौरे के समय से ही रोहित की कप्तानी और टीम में उनकी जगह को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन की पारी उनके कैरियर के लिये संजीवनी साबित हुई। उन्होंने फाइनल में न्यूजीलैंड पर चार विकेट से मिली जीत के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' मैं वनडे प्रारूप से संन्यास नहीं ले रहा हूं। कृपया अफवाहें मत फैलाइये।'' भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा ,'' कोई फ्यूचर प्लान नहीं है। जो हो रहा है, वो चलता जायेगा।'' रोहित ने कहा कि पावरप्ले में आक्रामक खेलने का उनका फैसला खास लक्ष्य को ध्यान में रखकर लिया गया था। उन्होंने कहा ,'' मैने आज कुछ अलग नहीं किया। मैं पिछले तीन चार मैचों से ऐसा ही कर रहा था। मुझे पता है कि पावरप्ले में रन बनाना कितना अहम है क्योंकि हमने देखा है कि दस ओवरों के बाद फील्ड के फैलने और स्पिनरों के आने के बाद रन बनाना मुश्किल होता है।' ' उन्होंने कहा ,'' पिच धीमी थी और रन बनाना और मुश्किल हो गया था। ऐसे में शुरू में ही मौके लेना जरूरी था। मैने गेंदबाज को चुना जिसके खिलाफ रन बना सकता हूं। ऐसे में कई बार ज्यादा रन नहीं बनते। आज दस ओवरों के बाद मैने अपने खेल में थोड़ा बदलाव किया क्योंकि मुझे टिककर खेलना था।'' रोहित ने स्वीकार किया कि टीम की जीत में योगदान देना काफी संतोषजनक है। उन्होंने कहा ,'' जब आप मैच जीतते हैं और उसमें योगदान देते हैं तो और बेहतर लगता है। मैने 2019 विश्व कप में भी काफी योगदान दिया लेकिन हम जीत नहीं सके थे तो उसमें मजा नहीं आया। अगर आप थोड़े रन बनाते हैं और जीतते हैं तो ज्यादा खुशी मिलती है।'' केएल राहुल को छठे नंबर पर भेजने के फैसले पर भी काफी चर्चा हुई लेकिन रोहित ने कहा कि प्रबंधन को यह देखकर खुशी हो

रही है कि वह नयी भूमिका में लगातार रन बना रहा है। उन्होंने कहा ,'' हर किसी का योगदान जरूरी है। केएल राहुल का बल्लेबाजी क्रम तय करते समय हमने इस पर बात की थी कि वह दबाव का बखूबी सामना करता है। हम वह शांत रवैया मध्यक्रम में चाहते थे और अक्षर का भी इस्तेमाल मध्यक्रम में करना था।'' उन्होंने कहा ,'' केएल इतने साल से टीम के लिये कई चुनौतीपूर्ण काम कर रहा है। उसने सेमीफाइनल में और फाइनल दोनों में अहम भूमिका निभाई। उसने भले ही 70 . 80 रन नहीं बनाये हों लेकिन उसके 30 . 40 रन काफी अहम थे। उसके रहते हमें पता था कि वह खुद तो शांत रहता ही है और वह ठहराव ड्रेसिंग रूम में भी लाता है।'' रोहित ने चैम्पियंस ट्रॉफी में मिली जीत देश को समर्पित करते हुए कहा ,'' यह जीत पूरे देश के लिये है क्योंकि मुझे पता है कि देश हमारे साथ है। जब आप किसी टूर्नामेंट का फाइनल जीतते हैं, खासकर भारत में तो हमें पता है कि जहां भी हम खेलें, हमे पूरा समर्थन मिलता है।

जब आप जायें तो टीम को बेहतर स्थिति में छोड़कर जाना चाहते हैं -विराट कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैम्पियन बल्लेबाज विराट कोहली ने चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने के बाद रविवार को कहा कि उनका काम सिर्फ आईसीसी ट्रॉफियां जीतना ही नहीं बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि जब वह खेल को अलविदा कहें तो भारतीय क्रिकेट बेहतर स्थिति में हो।

भारत ने रविवार को फाइनल में न्यूजीलैंड को छह गेंद से हराया। कोहली ने फाइनल के बाद कहा ,''जब आप जायें तो टीम को बेहतर स्थिति में छोड़कर जाना चाहते हैं। मुझे लगता है कि हमारे पास ऐसी टीम है जो अगले आठ साल तक दुनिया की किसी भी टीम का सामना करने के लिये तैयार है।''

कोहली फाइनल में एक ही रन बना सके लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ उनका विजयी शतक और आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में अर्धशतक अहम था। कोहली ने प्रसारक 'जियो हॉटस्टार' से कहा ,'' यह अद्भुत है। हम आस्ट्रेलिया के कठिन दौरे के बाद वापसी करना चाहते थे और बड़ा टूर्नामेंट जीतना चाहते थे। चैम्पियंस ट्रॉफी की जीत अद्भुत है।'' शुभमन गिल के साथ खड़े कोहली ने कहा कि टीम के सीनियर खिलाड़ी होने के नाते उनका फोकस अगली पीढी को तैयार करने पर भी है। उन्होंने कहा ,'' ड्रेसिंग रूम में इतनी प्रतिभा है और वे अपने खेल को अगले स्तर तक ले जाने की कोशिश में हैं।हम सीनियर होने के नाते उनके साथ अनुभव बांटकर, उनकी मदद करके खुश हैं और यही वजह है कि भारतीय टीम इतनी मजबूत है।'' उन्होंने खिताबी जीत को टीम प्रयासों का नतीजा बताते हुए कहा ,'' पूरी टीम और सभी ने अपना योगदान दिया। हम एक शानदार टीम का हिस्सा हैं और अभ्यास सत्रों में हमने काफी मेहनत की है। शुभमन, श्रेयस, केएल , हार्दिक सभी ने शानदार प्रदर्शन किया।

सोशल मीडिया पर छाई टीम इंडिया की जीत, जमकर मिली बधाइयां

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत की खिताबी जीत के साथ ही सोशल मीडिया पर रोहित शर्मा की टीम को बधाइयां देने का सिलसिला शुरू हो गया और राजनेताओं, पूर्व खिलाड़ियों से लेकर जानी मानी हस्तियों ने टीम की जमकर तारीफ की है। भारत ने रविवार को फाइनल में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर तीसरी बार खिताब जीता। कप्तान रोहित शर्मा ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए 76 रन की पारी खेली। सोशल मीडिया पर कुछ प्रमुख प्रतिक्रियायें इस प्रकार रही।

सचिन तेंदुलकर- चैम्पियंस ट्रॉफी चैम्पियन। वाह खेलमंत्री मनसुख मांडविया - लहरा दिया तिरंगा। शानदार जबर्दस्त जीत के लिये भारत के चैम्पियंस का अभिनंदन। वीवीएस लक्ष्मण = टीम इंडिया को शानदार प्रदर्शन करके चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने पर बधाई।पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहकर जिस तरह से मैच दर मैच लगातार अच्छा प्रदर्शन करके खिताब जीता, उसे देखकर बहुत अच्छा लगा।

जय शाह = आसानी से कभी हार नहीं मानने वाली न्यूजीलैंड की टीम के खिलाफ भारत का अद्भुत प्रदर्शन। रोहित शर्मा ने लगातार दूसरी आईसीसी ट्रॉफी में खिताबी जीत दिलाते हुए शानदार कप्तानी की।

राशिद खान = कप्तान रोहित शर्मा और टीम को शानदार जीत पर बधाई। न्यूजीलैंड ने शानदार खेलकर कड़ी चुनौती दी। गौतम गंभीर = 1 . 4 अरब भारतीयों को बधाई। जय हिंद माइकल वॉन = ईमानदारी से मानना पड़ेगा कि भारत सफेद गेंद के क्रिकेट में बड़े अंतर से दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। वे जीत के हकदार थे। टी20 चैम्पियन और चैम्पियंस ट्रॉफी विजेता। अब बाकियों को उनके बराबर आना है। नीता अंबानी = भारत के लिये गौरवमयी और ऐतिहासिक पल। टीम इंडिया को तीसरी बार आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतकर एक बार फिर विश्व स्तर पर देश का परचम लहराने पर बधाई। यह सिर्फ क्रिकेट की नहीं बल्कि एक अरब सपनों की और देश के गौरव की जीत है।

फाइनल गंवाने के बाद न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर का बड़ा खुलासा, रोहित शर्मा से डरे थे कीवी खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी बल्ले से बेखौफ अंदाज दिखाया। रोहित ने इस मैच में 41 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया था और 76 रन की पारी खेली। इस टूर्नामेंट में रोहित की पिछली पारी और फाइनल की इनिंग में फर्क में था कि कप्तान रोहित इस बार अलग इरादे के साथ खेलते हुए नजर आए। रोहित ने सिर्फ अपना दृष्टिकोण बदला और भारत के लिए मैच जिताऊ पारी खेलने में सफल रहे जिसकी जरूरत टीम को सबसे ज्यादा थी। रोहित की पारी से ही टीम इंडिया को मजबूत स्टार्ट मिला और जीत का आधार भी मिला। भारत के फाइनल जीतने के बाद विरोधी कप्तान मिचेल सैंटनर ने भी भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की और ये भी बताया कि आखिर क्यों उनके गेंदबाजों में रोहित को लेकर खौफ था। कीवी कप्तान ने कहा कि रोहित का दृष्टिकोण कुछ मौकों पर विफल हो सकता है, लेकिन बड़े मैचों में ये निर्णायक साबित हो सकता है। सैंटनर को लगता है कि रोहित के दृष्टिकोण ने उन्हें सुरुआत में ही बैकफुट पर ला दिया। सैंटनर ने कहा कि मुझे लगता है कि अगर आप टूर्नामेंट से पहले रोहित से पूछेंगे कि वह किस मैच में सबसे ज्यादा रन बनाना चाहेंगे, तो शायद वह फाइनल होगा, लेकिन मुझे लगता है कि उनका दृष्टिकोण गेंदबाजों में डल पैदा करता है।

हैरी ब्रूक ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ कॉन्ट्रैक्ट किया खत्म, अब झेलना होगा बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज हैरी ब्रूक आईपीएल 2025 खेलते हुए नहीं दिखेंगे। दरअसल, ब्रूक ने आईपीएल के नए सीजन से पहले ही टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। निजी कारणों का हवाला देकर और नेशनल टीम के साथ अपने कमिंटमेंट को दर्शाते हुए हैरी ब्रूक ने आईपीएल से हटने का फैसला किया है। हालांकि, इसका परिणाम भी उनको भुगतना पड़ेगा और अगले दो सीजन से वो बैन हो जाएंगे।

ब्रूक को नवंबर में आयोजित हुए मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने 6.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। ये लगातार दूसरी बार है जब ब्रूक ने आईपीएल से अपना नाम वापस लिया है और अब उन पर प्रतियोगिता से प्रतिबंध लगने का खतरा मंडरा रहा है। आईपीएल द्वारा शुरू किएगए नए नियम के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी जो प्लेयर ऑक्शन में खुद को रजिस्टर

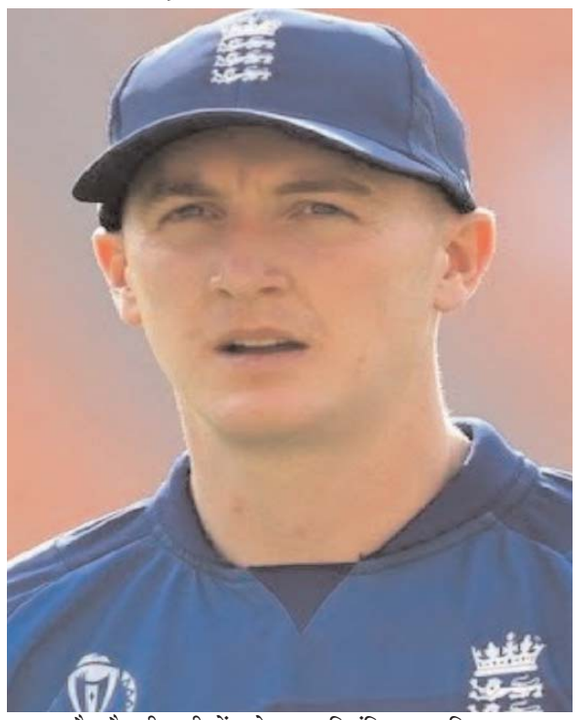

करता है और नीलामी में चुने जाने के बाद सीजन की शुरुआत से पहले खुद को उपलब्ध नहीं कराता है। उसे टूर्नामेंट और प्लेयर ऑक्शन में भाग लेने से 2 सीजन के प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। हालांकि, इस नियम में छूट है कि खिलाड़ी को चोट या मेडिकल कंडीशन के कारण बाहर रहने पर कोई पाबंदी नहीं होगी।

हालांकि, ब्रूक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक बयान में कहा कि, ये इंग्लैंड क्रिकेट के लिए वास्तव में अहम समय है और मैं आगामी सीरीज की तैयारी के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध होना चाहता हूं। ऐसा करने के लिए मुझे अपने करियर के अब तक के सबसे व्यस्त दौर के बाद रिचार्ज करने के लिए समय चाहिए।

मैं जानता हूं कि हर कोई इसे नहीं समझेगा और मैं उनसे इसकी उम्मीद भी नहीं करता लेकिन मुझे वही करना है जो मुझे सही लगता है। अपने देश के लिए खेलना मेरी प्राथमिकता और फोकस बना रहेगा।

पिछले सीजन ब्रूक किसी प्रियजन की मृत्यु के कारण टूर्नामेंट से हटे थे। एक ही आईपीएल सीजन 2023 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेले हैं, जिसमें एक शतक के अलावा उन्होंने ज्यादा कुछ नहीं किया था।

मुझे 2017 याद है, उस समय फिनिश नहीं कर सका था –हार्दिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत की सफलता का जश्न मना रहे स्टार हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने कहा कि उन्हें 2017 में मिली हार अभी तक याद है। उस समय भारत को फाइनल में पाकिस्तान ने हराया था और हार्दिक उस भारतीय टीम के सदस्य थे।

उन्होंने आधिकारिक प्रसारक से कहा ,'' आईसीसी टूर्नामेंट जीतना हमेशा शानदार होता है। मुझे 2017 अच्छी तरह से याद है। उस समय फिनिश नहीं कर पाया था लेकिन खुशी है कि आज कर सका।'' हार्दिक ने 2017 फाइनल में 43 गेंद में 76 रन बनाये थे। उन्होंने केएल राहुल की भी तारीफ की जिन्होंने फाइनल में नाबाद 34 रन बनाये। उन्होंने कहा ,'' केएल शांत था और सही समय पर अपने शॉट्स खेले। वह अपार प्रतिभाशाली है और उसके जैसी टाइमिंग किसी के पास नहीं।'' केएल ने भारतीय पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाई

जब एक समय 42वें ओवर में स्कोर पांच विकेट पर 203 रन था। राहुल ने कहा ,'' मुझे यकीन था कि जीत तक पहुंचा दूंगा। शांत बने रहना जरूरी था। मुझे खुशी है कि इस बार जीत दिला सका। मैने पांच मैचों में तीन बार इस तरह बल्लेबाजी की है।'' उन्होंने कहा ,'' शब्दों में बयां करना मुश्किल है लेकिन इस टीम में कौशल है। हम सभी ने जिस तरह शुरूआती दिनों से क्रिकेट खेली और पेशेवर क्रिकेटर बनने के बाद दबाव झेला। बीसीसीआई ने सभी को तैयार किया और हम खुद को बेहतर बनाने के लिये खुद को चुनौतियां देते हैं।'' इस टूर्नामेंट में भारत के ट्रंपकार्ड रहे स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने कहा ,'' न्यूजीलैंड के खिलाफ लीग मैच में मुझे टीम में जगह मिली तो मैने सोचा नहीं था कि ऐसा प्रदर्शन होगा। सपना सच हो गया।''

सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा ,'' अद्भुत लग रहा है। पहली बार मैने रोहित की बल्लेबाजी का पूरा मजा बैठकर लिया। उसने मुझे कहा था कि स्कोरबोर्ड पर अंतर कितना भी रहे, वह अंत तक बल्लेबाजी करना चाहता है। हम 2023 में चूके लेकिन लगातार आठ वनडे जीतकर अच्छा लग रहा है।'' हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने कहा ,'' मेरे साथ ऐसा ही होता है।

कभी हीरो तो कभी जीरो। नये बल्लेबाज के लिये विकेट आसान नहीं था। हार्दिक और केएल ने शानदार बल्लेबाजी की। चैम्पियंस ट्रॉफी जीतना बहुत बड़ी बात है।

मऊगंज में पकड़ी गई नकली सीमेंट फैक्ट्री, पांच आरोपी गिरफ्तार, सरगना की तलाश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले में नकली सीमेंट फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है जहां असली सीमेंट का कुछ प्रतिशत और ज्यादातर डस्ट मिलकर कई जानी-मानी कंपनियों के सीमेंट बैग तैयार किए जाते थे। पुलिस ने मौके से अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी की ओरिजिनल 225 बोरी सीमेंट, 190 बोरी डस्ट, 600 बोरी मिलावटी सीमेंट जो एसीसी और परफेक्ट बोरियों में पैक था। इसके अलावा पुलिस ने भारी मात्रा में खाली बोरियों को भी जब्त किया है। वही मामले में पुलिस ने चार मजदूरों सहित एक मैनेजर को गिरफ्तार किया है जबकि मुख्य सरगना अभी भी फरार बताया जा रहा है।

दरअसल यह नकली सीमेंट कंपनी मऊगंज जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत जयकारा जंगल जोधपुर टोला में संचालित हो रही थी, नकली सीमेंट कंपनी के कर्मचारी असली कंपनी के बैग में नकली सीमेंट भरने के काम में व्यस्त थे, उसी वक्त मऊगंज एसडीओपी अंकिता सुल्या अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंच गई जिसके बाद भगदड़ का माहौल निर्मित हो गया। मुखबिर की सूचना के बाद मऊगंज एसडीओपी अंकिता सुल्या ने पूरे मामले की पड़ताल की और फिर अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर तीन तरफ से जंगल में घेराबंदी कर दी, इस दौरान चार मजदूर सहित एक मैनेजर को गिरफ्तार किया गया।

जब एसडीओपी ने मौके पर पहुंचकर नकली सीमेंट कंपनी का मुआयना किया तो वह खुद भी हैरान रह गई वह इसलिए क्योंकि नकली सीमेंट कंपनी में कुछ हिस्सा असली सीमेंट और बाकी का 70% से अधिक हिस्सा डस्ट मिलकर एसीसी सीमेंट और परफेक्ट सीमेंट कंपनी की बोरियां तैयार की जा रही थी।

बताया जा रहा है कि मिलावट खोर नकली सीमेंट बनाने के लिए अल्ट्राटेक कंपनी की ओरिजिनल सीमेंट का उपयोग करते थे जिसमें डस्ट यानी फ्लाई ऐश मिलकर नकली और मिलावट युक्त सीमेंट तैयार की जाती थी। नकली सीमेंट कंपनी के दो सरगना का नाम सामने आया है दोनों पार्टनरशिप में यह नकली सीमेंट बनाने का कार्य लंबे अरसे से कर रहे थे जिसमें से पुलिस के मुताबिक रावेन्द्र मिश्रा निवासी कटरा और कमलेश गुप्ता निवासी घूमा कि यह नकली सीमेंट कंपनी बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी की ओरिजिनल 225 बोरी सीमेंट, 190 बोरी डस्ट, 600 बोरी मिलावटी सीमेंट जो एसीसी और परफेक्ट बोरियों में पैक था. इसके अलावा पुलिस ने भारी मात्रा में खाली बोरियों को भी जप्त किया है।

वृद्धा मरीज़ के बेटे को कमरे में बंद कर पीटने के मामले में एफआईआर की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संजय गांधी अस्पताल में एक वृद्धा मरीज़ के बेटे को अस्पताल कर्मचारियों द्वारा कमरे में बंद कर बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने एक्सरे विभाग के तीन कर्मचारियों को निलंबित कर दिया, लेकिन पीड़ित परिवार एफआईआर दर्ज करने और अन्य दोषियों पर भी कार्रवाई की मांग कर रहा है। बतादें कि, शनिवार को देवेंद्र शुक्ला अपनी मां फूलमती शुक्ला के एक्सरे की रिपोर्ट लेने अस्पताल पहुंचे थे। जब उन्होंने रिपोर्ट जल्दी देने की मांग की, तो एक्सरे विभाग के चार कर्मचारियों ने उन्हें कमरे में बंद कर लात-घूंसों से पीटा। मारपीट के बाद युवक बेहोश होकर गिर पड़ा और 4 घंटे तक होश में नहीं आया। गंभीर हालत में उसे इसी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

मेडिकल कॉलेज के दो छात्रों ने एमएस की परीक्षा में पूरे प्रदेश में किया टॉप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के दो छात्रों ने पूरे प्रदेश में रीवा का परचम लहराया है। एमएस की परीक्षा में एक ही कॉलेज के दो छात्रों ने पूरे प्रदेश में टॉप किया है। इसमें आश्रय द्विवेदी पहले स्थान पर और विपुल जोशी ने दूसरा स्थान पर अपनी जगह बनाई है। आश्रय द्विवेदी ने एमबीबीएस की परीक्षा पास करने के बाद एमएस की परीक्षा दी थी। आश्रय द्विवेदी ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि रीवा मेडिकल कॉलेज में सब कुछ है, शायद इसीलिए लोग आधी रात को भी रीवा मेडिकल कॉलेज में मरीजों को लेकर दूर दराज़ से आते हैं। हमने जो कुछ भी सीखा है इसी मेडिकल कॉलेज से और मरीजों के बीच रहकर सीखा उनके दर्दों को भी अनुभव किया। आश्रय द्विवेदी की इस सफलता के लिए छात्रों सहित मेडिकल कॉलेज के गुरुजनों के मन में भी उत्साह है।

रीवा जिला 15 जुलाई तक के लिए जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में विभिन्न कार्यों के लिए भू-गर्भीय जल स्त्रोतों के अत्याधिक दोहन एवं तापमान बढ़ने के साथ जल स्तर में तेजी से गिरावट के कारण जिले में आसन्न पेयजल संकट के कारण कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने रीवा जिले में पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 के प्रावधानों के तहत जिले को जल अभाव ग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है। आदेश के तहत जिले में 15 जुलाई 2025 तक किसी भी शासकीय भूमि पर स्थिति जल स्त्रोतों में पेयजल तथा घरेलू उपयोग को छोड़कर पानी के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिले के सभी शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र के समस्त जल स्त्रोतों जिनमें नदी, नाले, स्टाप डैम, सार्वजनिक कूप एवं अन्य जल स्त्रोत शामिल है उन्हें पेयजल तथा घरेलू कार्यों हेतु तत्काल प्रभाव से सुरक्षित किये जाने के आदेश दिये गये हैं। प्रतिबंध की अवधि में किसी भी व्यक्ति अथवा निजी एजेंसी द्वारा सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना नवीन नल कूप खनन की अनुमति नहीं होगी। शासकीय नल कूप खनन को प्रतिबंधों से छूट दी गयी है। जारी आदेश के अनुसार प्रतिबंध की अवधि में यदि कोई व्यक्ति अपनी निजी भूमि पर नल कूप खनन कराना चाहता है तो उसे निर्धारित प्रारूप में शुल्क सहित अपने क्षेत्र के एसडीएम को आवेदन करना होगा।

लिखित अनुमति मिलने के बाद ही नल कूप खनन किया जा सकेगा। यदि किसी क्षेत्र में सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत सूख जाते हैं तथा विकल्प के रूप में अन्य सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत उपलब्ध नहीं है ऐसी स्थिति में एसडीएम निजी पेयजल स्त्रोत को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अधिग्रहीत कर सकेंगे। प्रतिबंध के आदेश 15 जुलाई 2025 तक लागू रहेंगे। प्रतिबंध की अवधि में पेयजल परिरक्षण अधिनियम का उल्लंघन करने पर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर ने सभी एसडीएम, तहसीलदार, पुलिस अधिकारियों तथा पीएचई विभाग के अधिकारियों को जारी आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये हैं। तत्काल प्रभाव से आदेश लागू किया जाना आवश्यक होने के कारण यह आदेश एक पक्षीय रूप से पारित किया जाता है।

पंचायत के विकास में बाधा बने सचिव को हटाने की मांग को लेकर धरने पर बैठी महिला सरपंच

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ग्राम पंचायत के विकास कार्य में अवरोधक बन रहे सचिव को हटाने के लिए पिपरा ग्राम पंचायत की महिला सरपंच दूध मुहे बच्चे को गोद में लेकर ज़िला पंचायत कार्यालय रीवा में धरने पर बैठ गई। इस दौरान उन्होंने ज़िला पंचायत के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए। पिपरा ग्राम पंचायत की महिला सरपंच अनीता कोल के मुताबिक उनके ग्राम पंचायत में पदस्थ सचिव द्वारा मनमानी तरीके से पैसे निकाल लिए जाते हैं और विकास कार्य पूरी तरह से रुका हुआ है। लगातार शिकायत के बावजूद ग्राम पंचायत के सचिव को नहीं हटाया जा रहा जिसके चलते उन्होंने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

नशीला पदार्थ खिलाकर किया गलत काम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ज़िले में एक महिला के साथ नशीला पदार्थ खिलाकर ग़लत काम करने और अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी राजकुमार उर्फ सुरेंद्र साकेत को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पीड़िता का रिश्तेदार है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने पहले उसे नशीला पदार्थ खिलाकर अचेत किया और फिर अश्लील वीडियो बना लिए। इसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर बार-बार ग़लत काम करने का दबाव डालता रहा। आरोपी ने होटल आशीष में महिला को दो बार और बुलाकर ग़लत काम किया।

वेतन वृद्धि का भुगतान रोकने के विरोध में आशा एवं पर्यवेक्षकों ने किया प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भेदभावपूर्ण तरीके से आशा एवं पर्यवेक्षकों का वार्षिक वेतन वृद्धि का भुगतान रोके जाने के विरोध में संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर आज रीवा सहित प्रदेश व्यापी प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन भी सौंपा गया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश में 29 जुलाई 2023 को भोपाल में विभागीय एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित महासम्मेलन में सीएम द्वारा आशा एवं पर्यवेक्षकों के लिए एक हज़ार रुपये की वार्षिक वेतन वृद्धि की घोषणा की गई थी। वहीं 2 अगस्त 2023 को इस संबंध में मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा विधिवत आदेश भी जारी किया गया था। लेकिन लंबा समय गुज़रने के बाद भी इसका भुगतान नहीं किया जा रहा।

एमएसएमई की कार्यशाला संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योमों (एम.एस.एम.ई.) के प्रदर्शन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेजिंग एंड एक्सलेरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस स्कीम के अंतर्गत जिले के विभिन्न उद्योग संघों की भागीदारी के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत कार्यालय में आयोजित किया गया। महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र जय प्रकाश तिवारी ने योजना का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करते हुए भारत सरकार की रैम्प योजना के अंतर्गत जिले में ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त करने की बात कही। उन्होंने जिले में इन्क्यबेशन सेंटर स्थापित करने के लिए व जल्द ही वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम के आयोजन की लिए निर्देशित किया। राजेश सरवटे विशेषज्ञ जेड ने जिले के उद्योगों को जेडसर्टिफाइड बनने की। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद के सरोज जेना ने योजना के महत्व होने वाले लाभों पर चर्चा की।

महिला अधिकारियों ने रीठी में वितरित किए पोषण किट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद की पहल पर शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कई तरह के नवाचार किए जा रहे हैं। इस क्रम में 5 संभागीय महिला अधिकारियों ने आंगनवाड़ी केन्द्र रीठी में जाकर महिलाओं और बच्चों को निःशुल्क पोषण किट प्रदान किए। इस संबंध में संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती ऊषा सिंह सोलंकी ने बताया कि महिला अधिकारियों ने आंगनवाड़ी केन्द्र रीठी को आदर्श आंगनवाड़ी केन्द्र बनाने के लिए प्रयास शुरू किए हैं।

इस केन्द्र का नियमित रूप से भ्रमण किया जा रहा है। प्रथम दिन के भ्रमण के समय आंगनवाड़ी केन्द्र में दर्ज सभी बच्चों और गर्भवती महिलाओं को पोषण किट प्रदान की गई। महिलाओं को स्वयं तथा परिवेश की साफ-सफाई एवं स्वास्थ्य रक्षा के संबंध में भी जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम के सहयोग से बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य की जाँच कराई गई। जिला आयुष विभाग की टीम द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र में 142 बच्चों का स्वर्णप्राशन कराया गया। रीठी आंगनवाड़ी केन्द्र में दर्ज सभी शिशुओं और गर्भवती तथा धात्री महिलाओं को सुपोषित करने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। इन अधिकारियों के समूह में संयुक्त संचालक श्रीमती ऊषा सिंह, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उप संचालक मछली पालन डॉ अंजना सिंह, सहायक आयुक्त आबकारी कीर्ति दुबे तथा सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी शामिल हैं। कमिश्नर श्री जामोद ने महिला अधिकारियों के द्वारा किए गए नवाचार की सराहना की है। आंगनवाड़ी केन्द्र में लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय, परियोजना अधिकारी शेषनारायण मिश्रा, सरपंच ग्राम पंचायत रीठी रामसेवक पटेल, पर्यवेक्षक ममता शर्मा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, ग्राम पंचायत सचिव तथा रोजगार सहायक ने सहयोग प्रदान किया।

नगर निगम क्षेत्र में बाज़ार बैठकी के नाम पर अवैध वसूली, पीड़ितो ने खोला मोर्चा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा नगर निगम क्षेत्र में बाज़ार बैठकी का ठेका समाप्त हो चुका है, लेकिन किसान, ऑटो चालक व ग़रीबों से लूट का सिलसिला बदस्तूर जारी है। अब जो भी वसूली हो रही है वो नगर निगम के कर्मचारी कर रहे हैं। लेकिन नगर निगम के कर्मचारी ठेकेदार से दो क़दम आगे दिखाई दे रहे हैं, दूर बैठकर गुंडों से अवैध वसूली करा रहे हैं। जिसकी शिकायत होने के बाद न तो पहले कार्रवाई हुई और न ही अब हो रही है। अवैध वसूली से परेशान मंडी अध्यक्ष सहित ऑटो चालकों ने मिलकर पंपलेट लगाकर लोगों को जागरूक करने का काम शुरू किया है।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की

हैंडपंप सुधार से संबंधित सभी प्रकरणों के निराकरण के निर्देश

राशन कार्डधारियों ई केवाईसी अपडेशन 31 मार्च तक शत-प्रतिशत कराने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि पीएचई विभाग में सीएम हेल्पलाइन के मुख्य रूप से हैण्डपंप सुधार से जुड़ी शिकायतें बड़ी संख्या में दर्ज हो रही हैं। कार्यपालन यंत्री पीएचई बिगड़े हैण्डपंपों के सुधार का अभियान चलाएं। प्रत्येक विकासखण्ड में हैण्डपंपों के सुधार के लिए आवश्यक उपकरणों सहित टीम तैनात रखें। हैण्डपंप सुधार से संबंधित सीएम हेल्पलाइन के सभी प्रकरण तीन दिवस में निराकृत करें तथा ऑनलाइन प्रतिवेदन दर्ज कराएं। सभी विकासखण्ड मुख्यालयों में हैण्डपंप सुधार के लिए पर्याप्त मात्रा में राइजर पाइप भण्डारित करें। पेयजल व्यवस्था के लिए सभी विकासखण्डों तथा जिला मुख्यालय में कंट्रोल रूम शुरू कर दें। पेयजल से जुड़ी शिकायतों का तत्परता से निराकरण करें। कार्यपालन यंत्री पीएचई तथा संबंधित क्षेत्र के एसडीएम सार्वजनिक हैण्डपंप में अवैध कब्जे की शिकायतों को अभियान चलाकर दूर करें। कलेक्टर ने कहा कि जिला आपूर्ति अधिकारी खाद्य सुरक्षा योजना से लाभान्वित सभी राशन कार्डधारियों के ई केवाईसी अपडेशन और सत्यापन का कार्य 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से पूरा कराएं। खाद्यान्न का समय पर उठाव और वितरण कराएं। जिला महाप्रबंधक सहकारी बैंक तथा जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम धान उपार्जन में शेष बचे किसानों का तीन दिवस में अनिवार्य रूप से भुगतान कराएं। अधीक्षण यंत्री ऊर्जा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के लिए विशेष प्रयास करें। पुलिस परेड मैदान में स्वीकृत विद्युत सब स्टेशन का निर्माण कार्य तेजी से पूरा कराएं। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के शेष बचे सभी हितग्राहियों का एक सप्ताह में सत्यापन कराकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। ग्रामीण विकास विभाग, खाद्य विभाग, श्रम विभाग, नगरीय निकाय, ट्राईबल विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा लोक निर्माण विभाग में भी सीएम हेल्पलाइन के प्रकरण बड़ी संख्या में लंबित हैं। संबंधित अधिकारी इनका तत्परता से निराकरण करें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि संभागीय मुख्यालय के कार्यालयों में नगर निगम के सर्विस टैक्स की बड़ी राशि बकाया है। सभी अधिकारी एक सप्ताह में नगर निगम को सर्विस टैक्स का अनिवार्य रूप से भुगतान कराएं। समय सीमा में टैक्स जमा न करने वालों के विरूद्ध आयुक्त नगर निगम नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही करें। बैठक में कलेक्टर ने गेंहू उपार्जन के लिए पंजीकृत किसानों के द्वारा दर्ज रकबे के सत्यापन तथा खरीदी केन्द्रों में समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, सभी एसडीएम तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारी आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जिले में संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों के सुव्यवस्थित संचालन और प्रबंधन के संबंध में अधिकारियों को निर्देश जारी किये हैं। कलेक्टर ने कहा कि संबंधित अधिकारी हर माह कम से कम दो-दो आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करें। आंगनवाड़ी केन्द्रों में आने वाले बालक बालिकाओं को गुणवत्तायुक्त पुराक पोषण आहार और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। पोषण आहार की गुणवत्ता का स्वयं चखकर परीक्षण करें। आंगनवाड़ी भवन की अधोसंरचना की भौतिक गुणवत्ता के साथ मूलभूत सुविधाओं स्वच्छ पेयजल, बैठक व्यवस्था, शौचालय सहित अन्य व्यवस्थाओं का भी परीक्षण करें। अधिकारी आंगनवाड़ी केन्द्रों के निरीक्षण और वहां की व्यवस्थाओं का जांच प्रतिवेदन हर माह की पांच तारीख तक अनिवार्य रूप से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के समक्ष प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

प्रशासनिक अधिकारियों को तनाव प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रशासनिक अधिकारियों को तनाव प्रबंधन तथा समस्याओं के समाधान के संबंध में ब्रम्हकुमारी संस्थान द्वारा 11 मार्च को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण सुबह 10 बजे से 11.15 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। संस्थान के मुख्यालय माउंट आबू राजस्थान से राजयोगी शिक्षक श्री बीके सूरज तनाव प्रबंधन तथा समस्याओं के सम्पूर्ण समाधान के संबंध में प्रशिक्षण देंगे। इसमें स्वयं की संकल्प शक्ति द्वारा समस्याओं के समाधान, तनाव प्रबंधन, क्रोध पर नियंत्रण, नशामुक्त जीवन तथा योगयुक्त जीवन पद्धति का प्रशिक्षण दिया जाएगा। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, आयुक्त नगर निगम तथा सभी संभागीय एवं जिलाधिकारियों को प्रशिक्षण में शामिल होने के निर्देश दिए हैं। सभी संभागीय अधिकारी कमिश्नर कार्यालय सभागार से तथा सभी जिलाधिकारी अपने कलेक्ट्रेट के सभागार से प्रशिक्षण कार्यक्रम में ऑनलाइन उपस्थित रहेंगे। इसकी ऑनलाइन लिंक संभागीय अधिकारियों के व्हाट्सएप ग्रुप में उपलब्ध है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।